दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 93 मुरादाबाद, 22 July 2023 (Saturday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने कहा: शून्य से शिखर की यात्रा जैसा रहा लालजी टंडन का जीवन, हर तबके से मिला है उन्हें प्यार

सीएम योगी ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालजी टंडन की तीसरी पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। उन्होंने कहा टंडन जी का जीवन हम सबके लिए प्रेरणा है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में भाजपा के वरिष्ठ नेता, स्थानीय विधायक, सांसद और बिहार व मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के राज्यपाल रहे लालजी टंडन की तीसरी पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लालजी टंडन ने लखनऊ में श्रद्धेय अटल जी की विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य किया था।उनकी स्मृतियों को हम सब नमन करते हैं। उनकी यात्रा वास्तव में शून्य से शिखर की यात्रा रही। एक सामान्य कार्यकर्ता, पार्षद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, प्रदेश सरकार में मंत्री, सांसद और बिहार व मध्य प्रदेश में राज्यपाल के रूप में उन्होंने अपने अनुभव और योग्यता का परिचय देकर जो लाभ प्रदेश और उन सभी राज्यों को दिया वह उल्लेखनीय है और व्यवस्था के लिए एक उदाहरण भी है। लखनऊ के साथ उनका एक आत्मीय संबंध था, जिसे यहां लोग आज भी स्मरण करते हैं। हर जाति, मत, मजहब के लोगों के साथ उनका संवाद और प्यार व सम्मान अद्भुत है। आज वो हमारे बीच में नहीं हैं। उनकी तीसरी पुण्यतिथि पर प्रदेश शासन की ओर से उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।इस अवसर पर सीएम योगी के साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता भी सम्मिलित रहे।

एएसआई सर्वे, जिला अदालत में हिंदू पक्ष का आवेदन मंजूर

वाराणसी जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने मां श्रृंगार गौरी मूल वाद में ज्ञानवापी के सील वजूखाने को छोड़कर बैरिकेडिंग वाले क्षेत्र का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से रडार तकनीक से सर्वे कराने के आवेदन मंजूर कर लिया है। वाराणसी के बहुचर्चित ज्ञानवापी परिसर में वजूस्थल को छोड़कर परिसर के सर्वे वाली याचिका पर आदेश आ गया है। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने मां श्रृंगार गौरी मूल वाद में ज्ञानवापी के सील वजूखाने को छोड़कर बैरिकेडिंग वाले क्षेत्र का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से रडार तकनीक से सर्वे कराने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा है कि एएसआई बताए कि किस तरह से और कैसे सर्वे होगा कि ज्ञानवापी परिसर में किसी भी तरह का नुकसान न हो। सर्वे के संबंध में पूरी तैयारी के साथ एएसआई चार अगस्त तक रिपोर्ट दाखिल करे। इसके साथ ही मुकदमे की सुनवाई की अगली तिथि अदालत ने चार अगस्त नियत की है।अदालत में हिंदू पक्ष की चार वादिनी रेखा पाठक, मंजू व्यास, लक्ष्मी देवी और सीता साहू की तरफ से बीते 16 मई को प्रार्थना पत्र दिया गया था। कहा गया था कि ज्ञानवापी में सील किए गए वजूखाना को छोड़कर बाकी क्षेत्र का एएसआई से रडार तकनीक से सर्वे कराया जाए। इस पर 19 मई को अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने आपत्ति की थी। 14 जुलाई को सुनवाई पूरी हो गई थी। तब कोर्ट ने आदेश के लिए पत्रावली सुरक्षित रखते हुए सुनवाई के लिए 21 मई की तिथि तय की थी।

हिंदू पक्ष ने जताई खुशी

जिला जज की अदालत में आवेदन मंजूर होने पर हिंदू पक्ष ने खुशी जताते हुए इसे बड़ी जीत करार दिया है। हिंदू पक्ष के अधिवक्ताओं ने कहा कि सर्वे से यह स्पष्ट हो जाएगा कि ज्ञानवापी की वास्तविकता क्या है। सर्वे में बिना क्षति पहुचाएं पत्थरों, देव विग्रहों, दीवारों सहित अन्य निर्माण की उम्र का पता लग जाएगा। वहीं, विपक्षी अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी ने सर्वे कराने के आवेदन का विरोध किया है। निगरानी अर्जी पर अब 16 अगस्त को सुनवाईअपर जिला जज (नवम) विनोद कुमार सिंह की अदालत में गुरुवार को ज्ञानवापी परिसर स्थित वजूखाना में गंदगी फैलाने और शिवलिंग जैसी आकृति पर दिए गए विवादास्पद बयान के मामले में दाखिल निगरानी अर्जी पर सुनवाई हुई। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असुदद्दीन ओवैसी की ओर से अधिवक्ता एहतेशाम आब्दी और शवनवाज परवेज ने वकालत नामा लगाया। कोर्ट ने अन्य विपक्षीगण को उपस्थित होने के लिए अगली सुनवाई 16 अगस्त की तिथि तय की।

पाकिस्तान से बेहतर भारत की जेल...', ATS से पूछताछ के बाद बोली सीमा हैदर; जासूसी पर भी दिया बयान

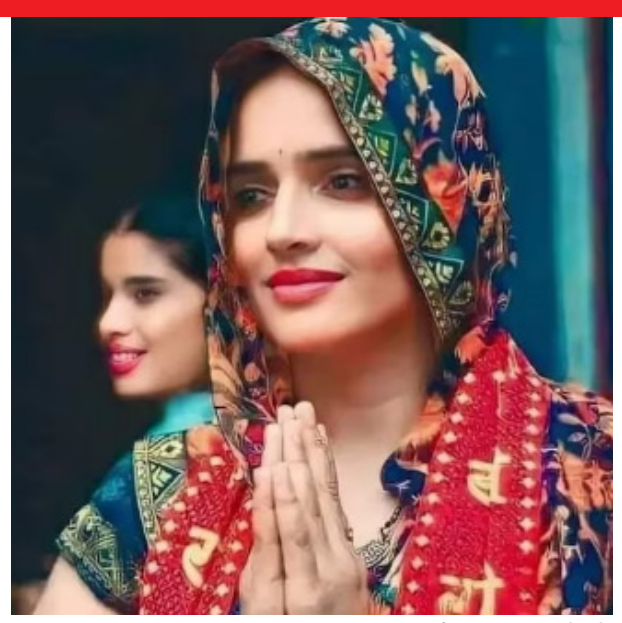

ग्रेटर नोएडा- पब्जी गेम के जरिए नोएडा के सचिन के संपर्क में आई सीमा हैदर ने एटीएस से लंबी पूछताछ के बाद शुक्रवार को पहली बार मीडिया के सामने आई। पाकिस्तानी महिला ने कहा कि पाकिस्तान से बेहतर भारत की जेल है। साथ ही सीमा हैदर ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर के किसी भी लड़के को फ्रेंड रिक्वेस्ट नहीं भेजी है।पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर एटीएस से पूछताछ के बाद पहली मीडिया के सामने आई। इस दौरान सीमा ने कहा कि पाकिस्तान से बेहतर भारत की जेल है। साथ ही सीमा हैदर ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर के किसी भी लड़के को फ्रेंड रिक्वेस्ट नहीं भेजी है। इस दौरान उसने खुद पर पाकिस्तानी जासूस होने के आरोप पर भी बयान दिया है।

फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजने पर बोली सीमा

एटीएस की पूछताछ के बाद सीमा हैदर पहली बार मीडिया के सामने आई। इसके दौरान पाकिस्तानी महिला ने बताया कि उसने दिल्ली-एनसीआर के किसी भी लड़के को फ्रेंड रिक्वेस्ट नहीं भेजी। बता दें कि सीमा हैदर को लेकर जानकारी सामने आई थी कि वह सचिन से पहले दिल्ली-एनसीआर के कई लड़कों से बात की थी। उसने सेना के एक अधिकारी को रिक्वेस्ट भी भेजी थी।

पाकिस्तान से बेहतर भारत की जेल

मीडिया से बातचीत में सीमा हैदर ने एक बड़ा बयान दिया है। उसने कहा कि सिर्फ पाकिस्तान का पहचान पत्र मेरे पास है। पाकिस्तान से बेहतर भारत की जेल है। उनके कैरेक्टर से संबंधित अलग-अलग तरीके के जो आरोप उन पर लगाए जा रहे हैं, वे यह सारे गलत हैं। उसने कहा कि शुरू से रील बनाना पसंद है, इसलिए वह रील बनाती थी।

किसी और ने दिया सीमा की बस का किराया

पब्जी गेम के जरिए ग्रेटर नोएडा के सचिन के संपर्क में आई सीमा हैदर को लेकर इस बीच बड़ी जानकारी सामने आई है। सीमा हैदर नेपाल से नोएडा जिस बस से आई थी, उसके टिकट का किराया उसने नहीं दिया था। यह भुगतान बस में बैठे एक अन्य व्यक्ति ने किया था। हालांकि, अभी यह पता नहीं चल पाया है कि वह व्यक्ति कौन था।

पब्जी गेम से शुरू हुई थी प्रेम कहानी

पाकिस्तान के कराची की रहने वाली सीमा हैदर पब्जी खेलने के दौरान रबूपुरा के रहने वाले सचिन के संपर्क में आ गई थी और दोनों में प्यार हो गया था। अपने प्यार को पाने के लिए सीमा हैदर अवैध तरीके से भारत की सीमा में प्रवेश करके 13 मई को रबूपुरा आकर रहने लगी थी।छह जुलाई को सूचना पर पुलिस ने सीमा और सचिन को गिरफ्तार किया था। डेढ़ महीने तक सीमा अवैध तरीके से रबूपुरा में रही और स्थानीय एजेंसी को भनक तक नहीं लगी। अब वह न्यायालय से जमानत मिलने के बाद रबूपुरा स्थित सचिन के घर पर रह रही है।

दस विधायकों के निलंबन पर फूटा भाजपा का गुस्सा, जेडीएस के साथ विधानसभा कार्यवाही का किया बहिष्कार

भाजपा और जनता दल सेक्युलर के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से भी मुलाकात की और कांग्रेस सरकार की कार्यशैली के खिलाफ याचिका दी। याचिका में आरोप लगाया गया कि कांग्रेस सरकार तानाशाही तरीके से काम कर रही है।कर्नाटक विधानसभा स्पीकर द्वारा भाजपा के दस विधायकों को निलंबित करने के विरोध में आज भाजपा और जेडीएस ने विधानसभा कार्यवाही का बहिष्कार किया। गुरुवार को भी भाजपा ने विरोधस्वरूप विधानसभा कार्यवाही का विरोध किया था। बता दें कि कर्नाटक विधानसभा का सत्र तीन जुलाई से शुरू हुआ था और शुक्रवार को विधानसभा सत्र की कार्यवाही का आखिरी दिन था। भाजपा विधायकों ने विधानसभा परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा के सामने बैठकर स्पीकर और सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया।

राज्यपाल से की मुलाकात

भाजपा और जनता दल सेक्युलर के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से भी मुलाकात की और कांग्रेस सरकार की कार्यशैली के खिलाफ याचिका दी। याचिका में आरोप लगाया गया कि कांग्रेस सरकार तानाशाही तरीके से काम कर रही है। इसके बाद स्पीकर यूटी खादेर ने डिप्टी स्पीकर रुद्रप्पा लामानी के साथ राज्यपाल से मुलाकात की और बुधवार की विधानसभा की कार्यवाही से संबंधित रिपोर्ट सौंपी।

इन विधायकों को किया गया निलंबित

बता दें कि बुधवार को विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। भाजपा विधायकों ने सदन में हंगामा कर रहे और बिल की प्रतियों को फाड़कर प्रदर्शन कर रहे दस भाजपा विधायकों को बाकी सत्र से निलंबित कर दिया। जिन विधायकों को निलंबित किया गया, उनमें सीएन अश्वथ नारायण, वी सुनील कुमार, आर अशोक, अरगा जनेंद्र, डी वेदव्यास कामत, यशपाल सुवर्णा, धीरज मुनीराज, ए उमानाथ कोटियन, अरविंद बेलाद और वाई भरत शेट्टी शामिल हैं। बता दें कि भाजपा जेडीएस का आरोप है कि कांग्रेस सरकार ने बेंगलुरु में हाल ही में हुई विपक्ष की बैठक के लिए 30 आईएएस अधिकारियों की तैनाती की थी। इसे लेकर भाजपा जेडीएस ने विरोध दर्ज कराया, जिससे सदन में कार्यवाही के दौरान हंगामा हो गया। भाजपा ने विधानसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया।

सपाइयों ने किया अर्धनग्न प्रदर्शन, बोले- मणिपुर में महिलाओं को नग्न घुमाने वालों को फांसी दो

मणिपुर में हिंसा और महिलाओं के साथ जो कुछ भी हुआ उसे लेकर समजावादी पार्टी में आक्रोश है। आगरा में इस घटना के विरोध में सपा कार्यकर्ताओं ने प्रर्दशन किया। मणिपुर में पिछले 83 दिनों से हिंसा जारी है। इस बीच, कुछ ऐसे वीडियो सामने आए, जिसने पूरे देश को दहला दिया है। इस वीडियो में कुकी समुदाय की दो महिलाओं को नग्न करके सड़क पर घुमाते हुए दिखाया जा रहा है। जिसके बाद लोगों में आक्रोश दिखाई दे रहा है। आगरा में इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी ने अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। साथ ही मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने और महिलाओं को नग्न कराकर घुमाने वालों को फांसी देने की मांग की। समाजवादी पार्टी यूथ फ्रंटल ने कलक्ट्रेट में अर्धनग्न होकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रर्दशन करने वालों ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई हैवानियत से पूरा देश शर्मसार है। ये ऐसी घटना पर है, जिसे देखकर इंसानियत की रूह कांप उठी है। देश का एक राज्य हिंसा में जल रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी चुप्पी तोड़ने में 80 दिन लग गए हैं। प्रदर्शन करने वालों ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने और महिलाओं को नग्न कराकर घुमाने वालों को फांसी देने की मांग की।

ये रहे मौजूद

इस दौरान समाजवादी पार्टी पार्षद दल के पूर्व नेता राहुल चौधरी, चिराग़ तौमर, राहुल गुर्जर, जितेंद्र चक, विपिन यादव, अनुराग ठाकुर, मोहित दिग्विजय लोधी, सीटू यादव, प्रवेश तित्तल आदि कार्यकर्ता मोजूद रहे।

संपादकीय Editorial

Power vs opposition unity

The season has come to compete and increase your strength in national politics. Two dates—July 17 and 18—are important. The meeting of opposition parties is going on in Bengaluru. This time 7 new parties have also joined the campaign of opposition unity, so now 24 parties are in the process of mobilizing on the opposition platform. The screws between the Aam Aadmi Party (AAP) and the Congress have been tightened. Now Kejriwal and other AAP leaders are also involved in the campaign of opposition unity. There is a meeting of the 'National Democratic Alliance' (NDA) on Tuesday, July 18, in which Prime Minister Modi will also participate. BJP has sent invitations to some new parties. Among them, Subhaspa, Rashtriya Lok Samta Party, Lok Janshakti Party (Ram Vilas), Hindustani Awam Morcha, Nationalist Congress Party (Ajit Pawar faction), Jana Sena Party etc. have even declared alliance with BJP. Most of these parties have been with the BJP in the past, their leaders have been ministers in state cabinets, then switched sides and aligned with someone else, and are now returning once again ahead of the 2024 general elections. There is no basis of ideology, purely opportunistic and attraction of creamy politics. The 'Jannayak Janata Party' is in a coalition government in Haryana, but surprisingly leaders of Telugu Desam Party, Janata Dal-S, Akali Dal etc. have held talks up to the level of Union Home Minister Amit Shah and bargaining is on. BJP claims that leaders of 30 parties are attending the NDA meeting. Most of these parties have been anti-BJP, but have been doing politics with the NDA as well. This is a complete gimmick to win elections, as his apparent ideology is completely contradictory. However, the extent of the NDA-opposition alliance is clear. Elections are not decided on these equations. Apart from these parties BSP, BJD, YSR Congress, AIADMK, Bharat Rashtra Samithi etc. are some very important parties, which are influential in their respective areas and some parties are even in power. These parties are declared to be neither on the side of opposition unity nor constituents of the NDA, but they have been supporting the BJP on important and controversial bills in Parliament. There is also a deep contradiction between the Trinamool Congress versus the Left versus the Congress party in the opposition. Congress Parliamentary Party leader Adhir Ranjan Chowdhary has gone as far as the Calcutta High Court against Chief Minister Mamata Banerjee on the issue of panchayat elections. Adhir has also been publicly giving harshly worded statements against Mamta Banerjee. The spokespersons of Trinamool are hatefully opposed to the politics of the Left parties. Hence the electoral unity seems questionable. The most important thing in the Bengaluru meeting of opposition unity will be that all the parties agree on a common minimum program and prepare a blueprint for the distribution of seats at the initial level. Political claims are hollow, but it should be decided that only one common candidate of the opposition contests on more or less 350-400 seats in the Lok Sabha. For this, the consent of the Congress is basic, because in the 2019 elections, its candidates stood second on 209 seats. Another political incident has happened. Sharad Pawar's party NCP in Maharashtra has been captured by his own nephew Ajit and his associates. He has also applied for name and symbol in the Election Commission. Something similar happened with Uddhav Thackeray. It is obvious that due to such disunity in the parties, there is erosion of strength. If Pawar is weak, then the opposition will be weak. How the opposition unity will counter these situations can also be discussed in the meeting.

Surat-e-Hal: Buddhists and women with bayonets under the shadow of guns in Pakistan

When a delegation of Buddhists visited Pakistan this week, a guest from Thailand appeared concerned about photographs of him with security guards standing behind him with guns drawn. But if he goes to Gandhara, the north-west region of Pakistan, he will see that women there also carry guns for protection. I know people of many religions inside and outside Pakistan, but sadly I don't know any Buddhist. Not that I am not familiar with the great personality of Lord Buddha, who is known and respected across the world for his teachings of wisdom, kindness, patience and compassion. I still remember when we were growing up, there was a small statue of 'Laughing Buddha' in my house, which my Baba kept in the living room. One of my cousins was also very fond of antiques, he had a statue of Sadhanarat Buddha in his house. Some very rare statues of Buddha are also kept in the Lahore Museum of Punjab. I remember climbing a small hill long ago on a family trip to Swat in Khyber Pakhtunkhwa. There was a huge ancient statue of Lord Buddha with his hands in his lap by the side of the road. I climbed up to sit on his lap to pose for a photo. It must have been very challenging indeed for a person who managed to build such a huge statue in the middle of a hill centuries ago. Regrettably, this is the same area that was once occupied by the Pakistani Taliban. It was strange to see that the very area where Lord Buddha had taught peace and tolerance was controlled by terrorists. But thankfully they did not destroy these idols. The sad thing is that the number of Buddhists in Pakistan is very less. A generation of young Pakistanis meet people of other religions, but rarely a Buddhist. There is not much information about them even in text-books, so now the government is trying to create awareness about a religion which is based on peace and knowledge. Pakistan's media regularly publishes reports of the Dalai Lama and tensions between India and China, which are political and leave no room for religion. I remember once I went to a university in Thailand with videos and photos of Lord Buddha. A large number of Buddhists were present in the room where I was showing these videos and pictures. I was pleasantly surprised when those Buddhists started saluting Lord Buddha with folded hands. After partition the minorities gradually left Pakistan for various reasons and today according to government figures, there are more than 16,000 Baori Buddhists, mostly living in Sindh and Punjab province. Pakistan has many holy sites of Hindus and Sikhs, as many people of both these religions still live in Pakistan. Apart from this, a large number of Hindus and Sikhs from abroad come here from time to time to participate in religious ceremonies at their holy places. Recently, through the Kartarpur Corridor, Sikhs from across India and the world had come to seek blessings at the holy Gurdwara here. History states that Buddhism reached Gandhara in the 3rd century BCE. Gandhara was an ancient Hindu kingdom, located northwest of what is today Pakistan and northeast of Afghanistan. Today, a visit to Taxila in Pakistan is considered a religious and historical pilgrimage for Hindus and Buddhists. You'll see tourists throughout the year, though mostly Buddhists come to see the Jaulian Buddhist Monastery, the Double-headed Eagle Stupa, Dharmarajajila, and the Meditating Buddha at Mohra Moradu in Takshashila, an ancient stupa and monastery built by the Kushans. A few years ago, the most fascinating 1,700-year-old sleeping Buddha statue was discovered at the Bhamla Stupa in Khyber Pakhtunkhwa. From time to time there are reports that some Buddhist idols have been smuggled abroad and at times some countries have returned these idols back to Pakistan, which have been kept in museums. A huge delegation of Buddhists visited Pakistan this week, following which the government has now decided to set up the Gandhara Cultural Authority. This was the first Gandhara Vichar Goshti, organized to promote Buddhist tourism and show the softer face of Pakistan to the world. Korea is currently running the Gandhariya Conservation Project in Khyber Pakhtunkhwa and Takshashila. The Gandhara Cultural Authority aims to liaise with universities and cultural departments around the world to promote research work on the Gandhara civilization. It is the brainchild of a prominent Pakistani Hindu, Dr. Ramesh Vankwani, who is the chairman of the Prime Minister's Task Force on the Gandhara Cultural Authority. He says that Pakistan is fortunate to have Gandhara, which is a center of great ancient culture as well as a place of religious pilgrimage for Buddhists. Meanwhile an interesting incident happened. When the Buddhist guests arrived in Islamabad to attend the seminar, they found the armed forces deployed for their protection. But the guest from Thailand, Anil Shakya, honorary rector of the World Buddhist University in Thailand, was concerned about his photos, in which the security guard Behind them were standing with guns. He said, 'I am a worshiper of peace and wish peace for all, but during my visit to Pakistan I was photographed with two guns. The security system should be such that the guns are not visible, but should always be ready for use when needed. If he travels as far as Gandhara, the northwestern region of Pakistan, he will be surprised to find that today there are Pashtun tribes, all of whom, and sometimes women, carry guns with them. This is the tradition and culture here.

Challenge: Floods in the metropolis of developed India, questions raised on urban planning

The non-seriousness of the governments towards floods can be understood from the fact that there has not been a meeting of the Flood Control Committee in Delhi for the last two years. Our country is about to join the list of developed countries. In such a situation, the situation of flood and waterlogging in the capital Delhi is not good for the image of the country. Anyway, it is a serious question to be pondered as to why flood-like situations are created in most of the cities of the major states of the country even during the normal monsoon season for the last few years.

Take the example of Indore, where a record 17 inches or more of water fell in 24 hours, yet the flood situation did not arise. But today, even if it rains half as much, the situation of water-logging and floods arises all around the cities. The main reason for this is that due to the unimaginable, unplanned and haphazard development that has taken place in the metropolitan cities of the country in the last four-five decades, its side effects are visible in the form of floods in the urban areas during the rainy season. In Mumbai too, a few years ago when it received about 30 inches of rain in a day, the situation there had become dire. The main reason for such a situation is the non-compliance of the national policy for construction on river and waterlogged areas. The crossing which should have been done for the drainage of rain water on the roads was either not constructed, and if it is done somewhere, then its size is so small that the drainage of water is not done properly.

It has been observed that in most of the urban colonies built in the country after 1980, no planned work has been done on the drainage of rain water anywhere. Then the builders and the mafia in the cities, with the connivance of the government and administration, have started establishing settlements in the submerged areas.

The settlements established in the Yamuna area of Delhi are an example of this, which are submerged these days. Similar situations are also present in other cities of the country. What used to be open fields on the banks of rivers in earlier cities, now only buildings and illegal settlements are visible there. There are city development authorities in the cities and metropolitan cities of the country, whose responsibility is to plan and get the works of building construction, roads, drainage and other public facilities done. But looking at the floods this time, it does not seem that the Delhi Development Authority has done any work of building construction and water drainage in a planned manner in its work area.

Due to lack of proper drainage system in the Supreme Court and its surrounding area, the residents are facing a lot of problems. The non-seriousness of the governments towards floods can be understood from the fact that there has not been a meeting of the Flood Control Committee in Delhi for the last two years!

In this committee, coordination is ensured between various agencies including Delhi and Central Government, Army and Central Water Commission. As a result of this neglect, there was severe water-logging in important areas of Delhi and there was a need to deliver essential goods to the public through boats in the streets.

However, similar situations exist in other states as well. It is the responsibility of the conscious system that after any natural disaster, it should investigate the reasons for which these disasters badly affected the life of the people. Therefore, after the floods in other cities including the national capital Delhi this year, it is necessary that a study team should be constituted at the national level to find out why the situation of floods in urban areas has arisen due to excess rainfall.

If any such incident happens in the Indian Army, then the investigation there decides who was responsible for preventing this incident and after fixing the responsibility, the strictest legal action is taken against the concerned officer. If similar provisions are made against the officers working in the administrative system, then in future flood situation like Delhi, Ghaziabad and Agra will not arise in any city of the country.

जिला कारागार में अपराध छोड़ने के लिए संगीत से प्रेम की भाषा सीख रहे बंदी

मुरादाबाद- जिला कारागार में निरुद्ध बंदियों की मनःस्थिति बदलने के लिए अब जेल परिसर में ही रेडियो स्टेशन की सेवा शुरू हो गई है। इसके माध्यम से बंदियों का मानसिक स्तर ठीक कर उनको अपराध की दुनिया से दूर रखने की पहल जेल प्रशासन ने की है।

वरिष्ठ जेल अधीक्षक जेल में बंदियों के हित में कई नई पहल को आगे बढ़ा रहे हैं। जिला कारागार में आकाशवाणी की प्रसारण सेवा रेडियो परवाज शुरू की गई है। इसका उद्देश्य बंदियों का मानसिक के विकास कर उनको अपराध की दुनिया से दूर रखने की पहल हुई है। कैदियों को प्रशिक्षण और सुविधाएं दी जाएंगी जिससे वह दोबारा ऐसा कोई कार्य न करें जिससे जेल में आना पड़े। जेल की रेडियो परवाज सेवा पर कोई भी कैदी अपना मनपसंद गाना सुन और सुना सकता है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए रेडियो प्रसारण सेवा शुरू हुई है। इससे बंदियों की रचनात्मक प्रतिभाएं सामने आएंगी। यदि कोई गाना बजाना चाहता है या गाना चाहता है तो इस तरह से कैदियों के अंदर का हुनर दिखेगा। जेल में संगीत=वरिष्ठ जेल अधीक्षक की पहल, जिला कारागार में आकाशवाणी प्रसारण की सेवा शुरू , कोई भी बंदी रेडियो स्टेशन पर सीख सकेगा गाना या वाद्ययंत्र बजानाप्रतिभा निखारने के लिए मिला अवसर- जेल में रेडियो स्टेशन बनाने का उद्देश्य बंदियों की रचनात्मकता को आगे लाना है। जेल में बंदियों का मनोरंजन हो रहा है और उनके अंदर जो प्रतिभाएं छिपी हुई हैं। कोई भी बंदी गीत गाना चाहता है या कोई वाद्ययंत्र बचाना चाहता है तो रेडियो केंद्र पर जो कार्यक्रम जैसे होते हैं, वैसे ही वह जेल के अंदर भी कार्यक्रम प्रस्तुत कर सकते हैं। रेडियो स्टेशन सुविधा हो जाने से बंदियों में जिस वजह से वह जेल में आए हैं, उस कारण से उनकी कुछ दूरी हो जाएगी। रेडियो स्टेशन के जरिए बंदी अपनी विधाओं को प्रस्तुत कर सकते हैं। साथी बंदियों का भी मनोरंजन करा सकते हैं, उनका समय जेल में अच्छी तरह से व्यतीत हो सकता है। जेल में रेडियो स्टेशन की स्थापना होने के बाद हम देख रहे हैं कि कई बंदी ऐसे हैं, जो इसमें इच्छुक हैं। वह संगीत सीख भी रहे हैं।-पीपी सिंह, वरिष्ठ जेल अधीक्षक

रामगंगा-गागन का जलस्तर उतार पर, कम नहीं हुई दुश्वारी

मुरादाबाद- रामगंगा का जलस्तर 189.43 मीटर रहा, चारा लाने को लेना पड़ रहा नाव का सहारा रामगंगा और गगान नदी का जलस्तर गुरुवार को उतार पर रहा। लेकिन लोगों की दुष्वारी कम होने का नाम नहीं ले रही। पशुओं के लिए चारा लाने के लिए भी लोगों को नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। कटघर में रामगंगा नदी का जलस्तर 189.43 मीटर दर्ज किया गया। बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन नदी किनारे जाने से बचने की सलाह लोगों को दी जा रही है।

पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में अब बारिश न होने से नदियों के जलस्तर में भी कोई खास बढ़ोतरी नहीं हो रही है, ऐसा भी नहीं कि पानी एकाएक कम हो गया। बाढ़ कंट्रोल रूम के अनुसार फिलहाल खतरे वाले कोई बात नहीं है। किनारों से कुछ पानी कम हुआ है। गुरुवार को रामगंगा नदी का जलस्तर 189.43 मीटर और गागन नदी का जलस्तर 189.55 मीटर दर्ज किया गया।

दोनों नदियों का जलस्तर उतार पर है। लेकिन अभी नदी के दूसरी ओर जाने वाले किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिगर कालोनी निवासी किसान शमीम, फरहान और अमजद ने बताया कि पिछले दो-तीन दिन से रामगंगा नदी के जलस्तर में कुछ कमी आई है, लेकिन पानी इतना कम नहीं हुआ, जिससे आसानी से नदी पार कर सकें। पशुओं के लिए चारा लाने के लिए उस पर बैलगाड़ी के जरिए जाना पड़ता है और पानी से होकर ही चारा लाते हैं। इससे हर समय जोखिम बना रहता है। यहां पर एक पुल बनवाया जाए, जिससे उस पार खेती करने वाले किसानों को फायदा मिल सके। बाढ़ खंड के सहायक अभियंता सुभाषचंद्रा ने बताया कि रामगंगा और गागन नदी के जलस्तर में कमी आई है।

फिलहाल बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन इसके बावजूद भी सावधानी बरती जा रही है। जिला आपदा विशेषज्ञ पंकज मिश्र ने बताया कि दोनों नदियों का जलस्तर उतार पर है, लेकिन बाढ़ चौकियां अपने-अपने क्षेत्र में नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग के अनुसार 21 जुलाई को जिले में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है तथा कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश होने का अनुमान है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एन0सी0ओ0आर0डी0 की बैठक कैम्प सभागार में सम्पन्न

मुरादाबाद- जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में एन0सी0ओ0आर0डी0 की जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय पर बैठक आयोजित हुई। बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी एवं उसकी रोकथाम तथा एन0डी0पी0एस0 एक्ट के अर्न्तगत पंजीकृत वादों में प्रभावी पैरवी के संबंध में चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि नशा के विरुद्ध जागरुकता अभियान के अंर्तगत जनपद के समस्त शिक्षण संस्थाओं एवं अन्य स्थलों पर अभियान चलाया जाये। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर प्रतिबन्धित मादक पदार्थों का विक्रय एवं सेवन न हो सकें, इस हेतु आकस्मिक चैकिंग एवं उसके संबंध में प्रचार-प्रसार भी कराया जाये तथा नशामुक्त जागरुकता व प्रवर्तन कार्य दोनों साथ-साथ चलाये जाने तथा थाना स्तर पर, जनपद स्तर पर प्रवर्तन कार्य पर विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। बैठक में जे0डी0 अभियोजन चन्द्र प्रकाश मणि त्रिपाठी, जिला आबकारी अधिकारी महेन्द्र पाल सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेन्द्र कुमार गौतम, बेसिक शिक्षा अधिकारी, औषधि निरीक्षक उर्मिला वर्मा सहित संबंधित विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहें।

जीआई फेयर इंडिया में देसी-विदेशी खरीदारों को मिल रहा विकल्प, बढ़ा आकर्षण

मुरादाबाद- केंद्रीय कपड़ा राज्यमंत्री दर्शना वी. जरदोश ने फेयर के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया, आयोजकों और प्रदर्शकों की सराहना कर प्रोत्साहित किया, 24 जुलाई तक चलेगा मेलाहस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे में गुरुवार को 24 जुलाई तक आयोजित जीआई फेयर इंडिया के दूसरे संस्करण का उद्घाटन केंद्रीय कपड़ा राज्य मंत्री दर्शना वी. जरदोश ने किया। उन्होंने कहा कि यह मेला खजाने, स्वदेशी शिल्प और दुर्लभ विरासत के बौद्धिक गुणों को आगे बढ़ाने के लिए बड़ा प्लेटफार्म है। राज्यमंत्री ने ऐसे प्रदर्शकों, जीआई उपयोगकर्ताओं, उद्यमियों, कारीगरों, बुनकरों को एक मंच प्रदान करने में ईपीसीएच की भूमिका की सराहना की। कहा कि एक इको-सिस्टम के प्रधान मंत्री की परिकल्पना के अनुसार सहयोग और समावेशी विकास के लिए यह आवश्यक है। कहा कि सभी जीआई उत्पादकों को जेम पोर्टल पर होना चाहिए। इसे आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप बताया। जिसका उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और निर्यातकों को कौशल का उपयोग करके वैश्विक बाजार के लिए प्रोत्साहित करना है।ईपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद, आईईएमएल अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार, पूर्व अध्यक्ष ईपीसीएच राज कुमार मल्होत्रा, ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक आरके वर्मा ने मेले की सार्थकता पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष दिलीप बैद ने कहा कि इस तरह के बहु-विशिष्ट उत्पाद शो भारत की हस्तशिल्प विरासत और नए दर्शकों के लिए बहुत जरूरी है। आईईएमएल के अध्यक्ष ने कहा कि अगले संस्करण से पहले सभी जीआई पंजीकृत प्रतिभागी जेम पोर्टल पर होंगे। सभी जीआई टैग को एक क्यूआर कोड के साथ जोड़ा जा सकता है। जिससे खरीदार द्वारा उत्पाद और निर्माता की प्रमाणिकता की पहचान की जा सके। आरके वर्मा ने बताया कि इस मेले में एक ही छत के नीचे हस्तशिल्प निर्यातकों की दुनिया का सबसे बड़ा आईएचजीएफ दिल्ली मेले के आयोजन के साथ-साथ सेक्टर विशिष्ट मेलों का आयोजन भी करता है। जीआई फेयर इंडिया सुबह 10 बजे से शाम 7=00 बजे तक खुला रहेगा और इसमें प्रवेश निशुल्क है।

प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलंबन योजना

मुरादाबाद- उप कृषि निदेशक ऋतुषा तिवारी ने बताया है कि प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलंबन योजना वर्ष 2023-24 के अर्न्तगत किसानों को उनके फसल उत्पादों के लिए कृषि केन्द्र (एग्री जक्शन) के बैनर तले समस्त सुविधाए वन स्टॉप शॉप के माध्यम से उपलब्ध कराए जाने हेतु जनपद मुरादाबाद के निवासी बेरोजगार कृषि स्नातक/कृषि व्यवसाय प्रबन्धक स्नातक/स्नातक जो कृषि एवं सहबद्ध विषयों यथा उद्यान, पशुपालन, वानिकी, दुग्ध, पशु चिकित्सा, मुर्गी पालन एवं इसी तरह की गतिविधियों जो किसी राज्य/केन्द्रीय विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय से डिग्रीधारी है जो आई0सी0ए0आर0/यू0जी0सी0 एवं अनुभव प्राप्त डिप्लोमाधारी/कृषि विषय में इण्टरमीडिएट योग्य प्रार्थी पर भी विचार किया जायेगा। कुल 24 एग्री जंक्शन केन्द्र स्थापित किए जाने का लक्ष्य प्राप्त हुए थे, जोकि योग्य अभ्यर्थी नहीं होने के कारण कुल 18 अभ्यर्थियों को ही चयन हुआ था मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशों के क्रम में पुनः अवशेष 06 एग्री जंक्शन केन्द्रों स्थापना हेतु आवेदन पत्र दिनांक 05.08.2023 की सायं 5 बजे तक कार्यालय उप कृषि निदेशक मुरादाबाद में आमंत्रित किए जाएंगे। आवेदक की आयु दिनांक 05.08.2023 को अधिकतम 40 वर्ष से अधिक नही होनी चाहिए। अनु0जाति/अनु0जनजाति/महिला आवेदकों के लिए आयु में 05 वर्ष की छूट है। पात्र अभ्यर्थियों में जिनकी जन्मतिथि पहले है उन्हें वरीयता दी जाएगी। योजनान्तर्गत अवशेष कुल 06 एग्री जंक्शन केन्द्र स्थापित किए जाने का लक्ष्य है।

बीमा कराकर प्राकृतिक आपदा से फसलों को सुरक्षित करें किसान

मुरादाबाद-31 जुलाई तक किसान करा सकेंगे खरीफ की फसलों का बीमा प्राकृतिक आपदा से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए फसल बीमा योजना चल रही है। इसके तहत किसानों को 72 घंटे के अंदर संबंधित बीमा कंपनी को जानकारी देनी जरूरी है। जिले में खरीफ फसलों का बीमा शुरू का बीमा शुरू हो गया है। इसके लिए शासन ने इफ्को टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को नामित किया है। कंपनी ने कांशीराम कालोनी में अपना कार्यालय भी खोल दिया है। पिछले दिनों बारिश की वजह से फसलों को नुकसान हुआ है। जागरूक किसान अपनी फसलों का बीमा करा देते हैं, जिससे नुकसान होने पर बीमा का फायदा मिल जाता है। प्रभारी उप निदेशक कृषि ऋतुषा तिवारी ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों की फसलों का बीमा कराया जाएगा। इसके लिए शासन ने कंपनी को भी नामित कर दिया है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया 15 जुलाई से शुरू हो गई है। पिछले साल धान की फसल के दौरान बारिश होने से अधिकांश किसानों की धान की फसल बर्बाद हो गई थी, लेकिन उन किसानों को फायदा मिला, जिन्होंने अपनी फसल का बीमा करा रखा था। जिले में खरीफ सत्र के लिए धान, बाजरा, उड़द की फसलों का बीमा कराया जा रहा है। किसान अपनी फसल का बीमा कराकर फसल को प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित कर सकते हैं। अगर प्राकृतिक आपदा से फसल को नुकसान होता है तो बीमा का लाभ दिया जाएगा। पिछले साल जिले के 15,875 किसानों ने अपनी फसल का बीमा कराया था। जिन किसानों ने फसल के नुकसान की जानकारी समय से कंपनी को दी तो ऐसे 347 किसानों को 61.24 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति बीमा कंपनी द्वारा सीधे किसानों के खातों में भेजी गई थी। किसान अपनी फसल का बीमा 31 जुलाई तक संबंधित बैंक शाखा, जनसेवा केंद्र या केंद्र सरकार के पीएमएफबीवाई पोर्टल पर फसल का बीमा करा सकते है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

गल्ला व्यापारी से लूट की घटना का खुलासा, घटना को अंजाम देने वाले दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-एटा थाना निधौलीकलों क्षेत्रांतर्गत हुई गल्ला व्यापारी से लूट की घटना का खुलासा, घटना को अंजाम देने वाले दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार एक अवैध तमंचा, 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर, लूटे गए 52,450 रुपये, घटना में प्रयुक्त एक काला गमछा, एक मोटर साइकिल बरामद । घटना का विवरण दिनांक 12.07.2023 को वादी श्री हीरालाल वार्ष्णेय पुत्र स्व0 श्रीलाल वार्ष्णेय निवासी वसुन्धरा थाना अवागढ़ एटा द्वारा थाना निधौलीकलों पर इस आशय की सूचना दी गई कि बादी की वसुन्धरा में गल्ले की दुकान है.

जिस पर दीपू उर्फ दीपक कुमार पुत्र नरेश चन्द निवासी झालगोपालपुर थाना एका फिरोजाबाद व रामलखन पुत्र सुरेन्द्र निवासी अनवरा जेठ थाना मक्खनपुर फिरोजाबाद लेवर का काम करते हैं चादी ने दिनांक29.06~2023 को निधौलीकलां के नीरज गुप्ता पुत्र स्व0 श्री पूरण चन्द्र गुप्ता की फर्म श्री श्याम भोग आटा पर गेहूँ भेजे थे, जिसका पेमेंट 15 लाख रुपये लेने के लिये दीपू उर्फ दीपक कुमार व रामलखन उपरोक्त को दिनांक 11.07.2023 को समय करीब 03~30 बजे दोपहर अपनी मोटरसाइकिल से निधौलीकला भेजा था.जहाँ नीरज गुप्ता की उक्त फर्म से नीरज गुप्ता के भाई अंकुर गुप्ता से 15 लाख रुपये लेकर दोनों वापस आ रहे थे, तभी रामलखन ने बादी को फोन किया कि ग्राम झिनवार के पास एक बिना नम्बर प्लेट की मोटर साइकिल पर सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने जिसमें एक ने काले रंग का व दूसरे ने सफेद रंग का अंगोछा मुंह पर बांधा हुआ था ने उनकी मौ0सा0 में टक्कर मारकर मो0सा0 रोक ली व तमन्या दिखाकर उनसे रुपयो का थैला छीनकर भाग गये है। इस सूचना पर थाना निघालीकलों पर मुअर्स- 120 / 23 धारा 392 भादवि पंजीकृत किया गया। अनावरण तथा गिरफ्तारी का विवरण- इस सनसनीखेज घटना के अनावरण हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा द्वारा तीन टीमों का गठन किया गया, जिसमें टीमों द्वारा सीसीटीवी फुटेज तथा इलेक्ट्रोनिक सर्विलांस की मदद से दिनांक 20.07.23 को उपरोक्त घटना में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को नगला बंदी पुल के पास से समय करीब 23.30 बजे गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से एक अवैध तमंचा, दो जिन्दा कारतूस 315 और लूटे गए 52,450 रुपये, घटना में प्रयुक्त एक काला गमछा तथा एक मोटर साइकिल बरामद की गई है। माल बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 411, 120बी भादवि व 3/25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोत्तरी की गई है। मुख्य बिन्दु - अभियुक्त पुष्पेन्द्र उर्फ छोटू व उसका बड़ा भाई जीतू उर्फ जितेन्द्र दोनों शातिर किस्म के बदमाश है जिनपर पूर्व में भी लूट, डकैती आदि के कई अभियोग पंजीकृत हैं। दोनों ही थाना पिलुआ पर पंजीकृत आलू से भरे ट्रक लूट की घटना में जेल जा चुके हैं। अभियुक्त आसिफ की सब्जी की दुकान है जो वादी की वसुन्धरा स्थित दुकान सामने है। अभियुक्त जितेन्द्र ने घटना वाले दिन से तीन दिन पूर्व अभियुक्त आसिफ को शराब पिलाकर उसे गल्ला व्यापारी की दुकान तथा पेमेन्ट आदि लेने जाने की रेकी करने के लिए मनाया था तथा लूट के रुपयों में उसे हिस्सा देने का लालच दिया था। रुपयों के लालच में आसिफ ने दिनांक 11.07.23 को झिनवार गाँव के पास वसुन्धरा के गल्ला व्यापारी के यहाँ नौकरी करने वाले दो व्यक्तियो जो अक्सर निधौली कला से रुपया लेकर आते थे की रेकी की। जीतू उर्फ जितेन्द्र जो घटना वाले दिन मोटरसाइकिल चला रहा था ने ही दीपू उर्फ दीपक के रामलखन की मोटरसाइकिल में टक्कर मारकर उन्हें नीचे गिरा दिया था। मोटरसाइकिल से नीचे गिर जाने के बाद पुभेन्द्र उर्फ छोटू ने तमंचा दिखाकर रुपयों से भरा बैग लूट लिया था जिसमें 1,50,000 रुपया व मोटरसाइकिल के कागजात थे। लूटे हुए पैसों में से पुष्पेन्द्र उर्फ छोटू व उसके बड़े भाई जीतू उर्फ जितेन्द्र ने 65000-65000 रूपये तथा आसिफ को सूचना देने के लिए 20000 रूपये दिए थे। गिरफ्तार अभियुक्तों का नामपता - पुष्पेन्द्र उर्फ छोटू पुत्र कमल सिंह यादव निवासी ग्राम मझराऊ थाना निधौली कलाँ एटा (उम्र 22 वर्ष) 2.आसिफ पुत्र नसरुद्दीन निवासी वसुन्धरा थाना अवागढ़ जनपद एटा (उम्र 20 वर्ष) फरार अभियुक्त का नामपता जितेंद्र उर्फ जीतू पुत्र कमल सिंह निवासी मझराऊ, थाना निधौली कला. एटा (उम्र 25 वर्ष आपराधिक इतिहास अभियुक्त पुष्पेन्द्र उर्फ छोटू का आपराधिक इतिहास मुअसं 50/ 20 धारा 102 / 41 सीआरपीसी, 411, 420, 467 मुअसं 09 / 2020 धारा 392, 411 भादवि0 थाना मारहरा एटा असं- 545 / 21 धारा 15 उ0प्र0 डकैती प्रभावी क्षेत्र अधि0 थाना कोतवाली नगर एटा मुअस- 120/2023 धारा 392, 411, 120बी भादवि0 व 3/25 आर्म्स एक्ट थाना निधौली कलाँ एटा अभियुक्त जितेन्द्र उर्फ जीतू का आपराधिक इतिहास मुअस - 395/ 2017 धारा 395, 412, 120बी भादवि0 थाना पिलुआ एटा मुअस 320/ 2017 धारा 420 भादवि0 थाना कोतवाली देहात एटा मुअस 101/2018 धारा 2/ 3 गैंगस्टर एक्ट थाना पिलुआ एटा मुअस 120/ 2023 धारा 392. 411, 120बी भादवि0 थाना निधौली कलाँ एटा बरामदगी- एक अवैध तमंचा, 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर, लूटे गए 52,450 रुपये, घटना में प्रयुक्त एक काला गमछा,घटना में प्रयुक्त एक मोटर साइकिल बिना नम्बर प्लेट गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम थाना निधौली कलां पुलिस- प्रभारी निरीक्षक श्री मनोज कुमार उ0नि0 श्री अनिल कुमार का0 1318 हरवीर सिंह का0 1507 अंकित कुमार अनावरण में सहयोग करने वाली पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक श्री सुनील कुमार इंटेलीजेंस विंग मय टीम प्रभारी सर्विलांस उ0नि0 श्री नितिन चौधरी मय टीम

पांचाल घाट गंगा का जलस्तर पंहुचा खतरे के निशान 137.20 CM के ऊपर

श्याम जी कश्यप
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद पांचाल घाट गंगा का जलस्तर पंहुचा खतरे के निशान 137.20 छ्टरू के ऊपर लगातार पानी छोड़े जाने से ग्रामीणो व किसानों की बड़ रही है

मुश्किले तलहटी के मुख्यमार्ग पर करीब तीन-तीन फीट बह रहा बाढ़ का पानी बाढ़ से 100 से अधिक गांव प्रभावित, कई स्कूल भी बंद दर्जनो गांव का मुख्या मार्ग से संपर्क कटा लोग झोपड़ी डालकर सड़क किनारे रहने को मजबूर राहत के नाम पर प्रशासन की खाना पूर्ति नहीं बांटी जा रही कोई राहत सामिग्री आज सुबह गंगा में नरौरा बांध से 202578 क्यूसेक छोड़ा गया पानी बिजनौर बांध से 97275 क्यूसेक हरिद्वार बांध से 80688 क्यूसेक छोड़ा गया पानी गंगा नदी और रामगंगा का खतरे का निशान है 137.10 CM पर रामगंगा में -10849 हजार क्यूसेक छोड़ा गया पानी रामगंगा का जलस्तर 135.70 छ्टरू पर पंहुचा गंगा नदी और रामगंगा का चेतावनी निशान है 136.60 CM पर

राष्ट्रहित को ही सर्वोपरि मानता है आर0एस0एस0का स्वयंसेवक-राजपाल

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।सरस्वती शिशु मन्दिर भोजीपुरा में राष्ट्रीयस्वयंसेवकसंघ केश्री गुरु दक्षिणा कार्यक्रम मेंमुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए संघ पदाधिकारी रामपाल ने कहा राष्ट्र हित सर्वोपरि है। स्वयंसेवक के लिए,युवाओं से आह्वान करते हुए संघ की शाखाओं में आने का आग्रह किया।बिना गुरु के कल्याण असंभव हिन्दू धर्म में भगवा ध्वज को गुरु बनाकर स्वयं का व राष्ट्र का कल्याण करें।सन 2025 में संघ अपना एक सौ वाँ स्थापना वर्ष धूमधाम से मनायेगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ पदाधिकारी प्रहलाद ने कीसंचालन प्रधानाचार्य रामआसरे शुक्ला ने किया।चार सौ से अधिक स्वयंसेवकों ने किया गुरुपूजन ब्लॉक प्रमुख योगेश पटेल,गोपाल सिंह यादव,डॉ. सत्यपाल गंगवार,,हरीश गंगवार,राम आसरे शुक्ला,हरीश वर्मा,नितिन,सतेन्द्र,राहुल राठौर,सूर्यप्रकाश,वीरेंद्र, तोताराम,डॉ. अविनाश, वीरेंद्र,करन सिंह,दुष्यन्त सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

हीरालाल बारहसैनी इंटर कॉलेज मे एन सी सी कैडेट्स द्वारा वृहद वृक्षारोपण

क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ -मेगा ट्री प्लांटेशन अभियान के तहत आज हीरालाल बारहसैनी इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने कैप्टन अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में वृहद वृक्षारोपण कर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का भली-भांति निर्वहन किया। वृहद वृक्षारोपण के मुख्य अतिथि 8 यूपी बटालियन एन सी सी के एडम अफसर कर्नल ज्ञानेंद्र पांडेय एवं एच बी इंटर कॉलेज के प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष श्री रतन प्रकाश लिथो ने पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर पूर्व प्रबंधक भुवनेश आधुनिक एवं समिति की सदस्या श्रीमती अलका साइंटिफिक सहित सभी एनसीसी कैडेट्स ने पौधारोपण कर इस बृहद अभियान में अपना योगदान दिया । कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए कर्नल ज्ञानेंद्र पांडेय ने पौधों को गोद लेकर आने वाले वर्षों में उनकी देखरेख करने की नसीहत दी। एनसीसी अफसर कैप्टन ए के सिंह ने कैडेट्स को फ्रएक वृक्ष 10 पुत्र समानफ्र स्लोगन की व्याख्या करते हुए बताया कि एक वृक्ष अपने जीवन काल में दस व्यक्तियों की जरूरत का अक्सीजन देता है अतः मानवता की रक्षा एवं पर्यावरण के संतुलन हेतु पौधे जन जीवन का अनिवार्य अंग हैं। पौधारोपण में लक्ष्य राजोरिया, युधिष्ठिर, वैभव शुक्ला, वैभव सक्सैना, हर्षवर्धन सिंह, हिमांशु, नरेंद्र, अर्जुन, अमन, विशाल, करण चौहान, प्रशांत, गिरीश, ध्रुव शर्मा, आशीष, विलेश,फरीद खान, जतिन, लव कुश, अनुराग सिंह आदि एनसीसी कैडेट्स के साथ-साथ विद्यालय के अध्यापक गण श्री वीरेंद्र पाल सिंह, जवाहरलाल, सतीश कुमार, घनेंद्र शर्मा, डॉक्टर भूरी सिंह, हरवीर सिंह, चंद्र प्रकाश वर्मा, राम प्रताप यादव आदि उपस्थित थे।

आपातकालीन स्थिति से निपटने के बताए गुर, साथ ही परखी पुलिस लाइन परिसर की व्यवस्थाए

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-शुक्रवार की परेड के उपरांत एसएसपी एटा ने आधुनिक वैपन सिखलाई का अभ्यास करा आपातकालीन स्थिति से निपटने के बताए गुर, साथ ही परखी पुलिस लाइन परिसर की व्यवस्थाएं। आज दिनांक 21.07.2023 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री राजेश कुमार सिंह द्वारा पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउण्ड में माह के तृतीय शुक्रवार की परेड के दौरान सलामी के उपरान्त परेड का निरीक्षण कर उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों को पुलिस विभाग में ड्यूटी के दौरान ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और जनता के प्रति सदव्यवहार बनाये रखने के निर्देश दिये गये, साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा द्वारा परेड के दौरान आधुनिक वेपन्स (हथियारों) के संचालन तथा रखरखाव के बारे में भी जानकारी देते हुए दंगा नियंत्रण के बारे में जवानों को बताया कि किस तरह दंगाईयों तथा बलवाइयों को नियंत्रित किया जाएगा। साथ ही मौजूद पुलिस कर्मियों को आधुनिक हथियारों तथा दंगा रोधी यंत्र, एंटी राइट गन, टियर गैस गन को चलाने के बारे में बताया।साथ ही एसएसपी की मौजूदगी में कराए जा रहे अभ्यास के दौरान पुलिस कर्मियों और टीम सदस्यों का हौसला देखते ही बन रहा था। परेड के उपरान्त एसएसपी एटा द्वारा परिवहन शाखा, क्वार्टर गार्ड, बैरिकों, भोजनालय आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान कुछ जगह खामियां मिलने पर प्रतिसार निरीक्षक को उनके शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। उक्त मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक एटा, क्षेत्राधिकारी नगर,क्षेत्राधिकारी सदर व समस्त शाखा प्रभारी तथा कर्मचारीगण, डायल 112 के कर्मचारीगण, क्यूआरटी तथा प्रतिसार निरीक्षक श्री हरपाल सिंह व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

सबमर्सिबल का बटन दबाते ही महिला को लगा करंट, मौत

निशाकांत शर्मा-क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-सरकार की ओर से निर्देश दिए थे कि कहीं पर कंटीले तार नहीं लगा सकते। इसके बाद भी अभी ग्रामीण क्षेत्रों में कंटीले तार लगे हुए हैं। इसी में करंट छोड़ दिया गया था। इसी लापरवाही से युवक की जान चली गई। एसडीएम सदर भावना ने बताया कि इस मामले की जांच कराई जा रही है। जिसकी मौत हुई है उसी ने तारों में करंट छोड़ रखा था। जांच रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी। सबमर्सिबल का बटन दबाते ही महिला को लगा करंट, मौत- अलीगंज। सबमर्सिबल का बटन दबाते ही महिला को करंट लग गया। इससे उसकी मौत हो गई। थाना जैथरा के गांव नगला गजपत निवासी मिथलेश (55) पत्नी रामदास गुरुवार सुबह सबमर्सिबल चला रही थी। बटन दबाते समय करंट लग गया और अचेत होकर गिर पड़ी। परिवारीजन महिला को स्वास्थ्य केंद्र अलीगंज लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा है।

श्रीमती जानकी देवी हायर सेकेण्डरी स्कूल के छात्र - छात्राओं को किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।रिठौरा। बैंक ऑफ बड़ौदा के116वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन गुरुवार को मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर शाखा प्रबंधक कुलदीप कुमार सिंह, प्रधानाचार्य डॉ मेहरबान सिंह ने संयुक्त रूप से किया।स्कूली बच्चों ने फ्रबैंक हमारे सच्चे मित्र %%नामक लघु नाटिका का मंचन कर सभी का मन मोह लिया। शाखा प्रबंधक श्री सिंह ने भी बैंक की योजनाओं के वारे में बच्चों तथा अभिभावकों को विस्तार से बताया।तथा जीवन में बैंक एक सगे भाई से भी बढ़कर आपका साथ देती है। उदाहरण सहित बताया। शुक्रवार को समापन सत्र में श्रीमती जानकी देवी हायर सेकंडरी स्कूल के सभी बच्चों को उपहार दिए गए। तथा स्कूल के लिए फर्नीचर भी दिया गया।इस मौके पर संयुक्त प्रबंधक निखिल गुप्ता,जे0पी0एन0तिवारी अखिलेश कुमार, राजीव कुमार,शिक्षक सनोज गंगवार, नरेश गंगवार, सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

केंद्रीय अस्पतालों को केवल जेनेरिक दवाएं लिखने का निर्देश, PMBJK पर मंडाविया ने कही यह बात

सदन में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मनसुख मंडाविया ने कहा कि भारतीय चिकित्सा परिषद (व्यावसायिक आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता) विनियम, 2002 में कहा गया है कि प्रत्येक चिकित्सक को स्पष्ट रूप से और विशेषकर बड़े अक्षरों में जेनेरिक नाम वाली दवाएं लिखनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने सभी केंद्र संचालित अस्पतालों को केवल जेनेरिक दवाएं लिखने का निर्देश दिया है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि सरकार का लक्ष्य आम आदमी की जेनेरिक दवाओं तक पहुंच में सुधार के लिए मार्च तक 10,000 प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) खोलने का है।

उन्होंने बताया कि 30 जून तक देशभर में 9,512 पीएमबीजेके खोले जा चुके हैं।सदन में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में उन्होंने कहा कि भारतीय चिकित्सा परिषद (व्यावसायिक आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता) विनियम, 2002 में कहा गया है कि प्रत्येक चिकित्सक को स्पष्ट रूप से और विशेषकर बड़े अक्षरों में जेनेरिक नाम वाली दवाएं लिखनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने सभी केंद्र संचालित अस्पतालों को केवल जेनेरिक दवाएं लिखने का निर्देश दिया है। इसी तरह के निर्देश सभी सीजीएचएस डॉक्टरों और वेलनेस सेंटरों को भी जारी किए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की मुफ्त दवा पहल के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में आवश्यक जेनेरिक दवाओं के मुफ्त प्रावधान के लिए सहायता प्रदान की जाती है।पीएमबीजेपी योजना को बढ़ावा देने के लिए फार्मास्यूटिकल्स विभाग और भारत का फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई), योजना की कार्यान्वयन एजेंसी, समय-समय पर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश सरकारों और जिला प्रशासनों से योजना के बारे में जागरूकता पैदा करने और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी अस्पतालों में जनऔषधि केंद्र खोलने के लिए किराया मुक्त स्थान प्रदान करने का अनुरोध करती है। उन्होंने यह भी कहा कि सीडीएससीओ और स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश में दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कई नियामक उपाय किए हैं।

नकली और मिलावटी दवाओं के निर्माण के लिए कड़े दंड का प्रावधान करने के लिए औषधि और प्रसाधन सामग्री (संशोधन) अधिनियम 2008 के तहत औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 में संशोधन किया गया है।

उन्होंने कहा कि कुछ अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती भी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत अपराधों के त्वरित निपटान के लिए विशेष अदालतें स्थापित की हैं। मंडाविया ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) में स्वीकृत पदों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। दवाओं की प्रभावकारिता सुनिश्चित करने के लिए, ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स नियम, 1945 में संशोधन किया गया है, जिसमें प्रावधान किया गया है कि आवेदकों को कुछ दवाओं के मौखिक खुराक के निर्माण लाइसेंस के अनुदान के लिए आवेदन के साथ जैव-समतुल्यता अध्ययन का परिणाम प्रस्तुत करना होगा। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में संशोधन करके यह अनिवार्य कर दिया गया है कि विनिर्माण लाइसेंस देने से पहले, विनिर्माण प्रतिष्ठान का केंद्र सरकार और राज्य सरकार के औषधि निरीक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण किया जाएगा। मंत्री ने कहा, नियमों में संशोधन किया गया है, जिससे यह अनिवार्य हो गया है कि आवेदकों को प्राधिकरण द्वारा विनिर्माण लाइसेंस देने से पहले राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण को स्थिरता, सहायक पदार्थों की सुरक्षा आदि का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। सीडीएससीओ राज्य औषधि नियंत्रण संगठनों की गतिविधियों का समन्वय करता है और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के प्रशासन में एकरूपता के लिए राज्य औषधि नियंत्रकों के साथ आयोजित औषधि सलाहकार समिति (डीसीसी) की बैठकों के माध्यम से विशेष सलाह प्रदान करता है।

महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने के आरोपियों पर कार्रवाई; 11 दिन की पुलिस हिरासत में भेजे गए

मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले के चारों आरोपियों को 11 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। मणिपुर पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। बता दें कि ये घटना चार मई की है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद से संसद से सड़क तक हंगामा हो रहा है। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में तीखी प्रतिक्रिया दी है। मामला क्या है? -मणिपुर में जारी हिंसा के बीच एक वीडियो सामने आया है जिसमें महिलाओं को नग्न करके घुमाया जा रहा है। यह घटना राज्य की राजधानी इंफाल से लगभग 35 किलोमीटर दूर कांगपोकपी जिले के गांव बी. फीनोम में हुई। ग्राम प्रधान द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, चार मई को शाम लगभग तीन बजे 900-1000 की संख्या में कई संगठनों से जुड़े हथियारबंद लोग बी. फीनोम गांव में जबरदस्ती घुस आए। हिंसक भीड़ ने पहले सभी घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की।द्बबाद में इसी भीड़ द्वारा यहां की तीन महिलाओं को उनके कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया गया और भीड़ के सामने निर्वस्त्र कर दिया गया। हैवानियत यहीं सीमित नहीं रही, एक 21 साल की लड़की का दिन दहाड़े बेरहमी से सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इसी दौरान बहन को बचाने आए 19 वर्षीय छोटे भाई की मौके पर ही हत्या कर दी गई। हालांकि, पीड़िता कुछ लोगों की मदद से मौके से भागने में सफल रहीं। वहीं वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कल चार आरोपियों की गिरफ्तारी की।

भाई को पीटा, बहन से की छेड़छाड़, मां को छत से फैंका

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

हरदुआगंज- कस्बा के मोहल्ला गुड़ियाई में दबंगों ने रंजिशन युवक को जमकर पीटा । भाई को पिटते देख उसे बचाने आई मां को छत से फेंक दिया तथा बहन से छेड़छाड़ करते हुए अभद्रता कर डाली ।इस मामले में पुलिस ने घायल मां-बेटे का उपचार कराते हुए आठ लोगों को नामजद किया है 7 पीड़ित युवक ने बताया कि वह घर पर था करीब मोहल्ला गुडियाई निवासी आसिफ, गुडडढू, आमिर, आरिफ, समीर, सैरुद्दीनन, फारुख व रहीसुददीन धारदार हथियार लेकर गालियां देते हुए घर आकर पीटते लगे ।मां व बहन बचाने आई तो मां को मारपीट कर छत से नीचे फेंक दिया तथा बहन से छेड़छाड़ कर धमकी देते हुए चले गए । पिटाई से युवक व उसकी मां घायल हो गई।

घर में घुसकर युवती से छेड़छाड़, मां को पीटा, सात नामजद

लवकुश ठाकुर-क्यूँ न लिखूँ सच

हरदुआगंज- क्षेत्र एक गांव में घर पर सो रही युवती से गांव के शराबी युवकों ने छेड़छाड़ कर दी । मां के विरोध करने पर मां-बेटी से मारपीट कर डाली । इसमें पुलिस ने सात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है । युवती की मां ने बताया कि 20जुलाई की रात बेटी बरामदे में सोई हुई थी । करीब 10 बजे गांव के बबलु, विजय, शिवा आदि लोगों ने शराब के नशे में बेटी से छेड़छाड़ करते हुए उसके कपड़े फाड़ डाले ।चीख सुनकर बचाने दौड़ी तो दबंगों ने मां-बेटी को पीटा ।इस मामले में बबलू, विजय, शिवा, विजय, पप्पू, जवाहर, मुनेश के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है ।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा निरीक्षण किया

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद में आज दिनांक 21.07.2023 के अपरान्ह में जिलाधिकारी श्री संजय कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा उपजिलाधिकारी कायमगंज तहसीलदार कायमगंज क्षेत्राधिकारी पुलिस कायमगंज थानाध्यक्ष शमसाबाद के साथ गंगानदी के कटान से प्रभावित क्षेत्र समैचीपुर चितार तहसील कायमगंज का स्थलीय निरीक्षण किया गया ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि गंगानदी के पानी में बृद्धि हुई हैं पानी आबादी में आ गया हैं और गावं में कटान हो रहा है निरीक्षण कि दौरान ?देखा गया कि ग्रामीण ग्राम से शमसाबाद ढाईघाट मार्ग पर शिफ्ट हो गये है उप जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि ग्रामीणों की सुविधा हेतु 06 नाव एवं गौताखोर लगाये गये है एवं किट भी उपलब्ध करा दी गयी हैजिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री वितरण कराने एवं मोबाइल टोयलेट की व्यवस्था कराने के निर्देश उप जिलाधिकारी कायमगंज को दिए

मौके पर उपस्थित जन समूह को बाढ़ के दुष्प्रभावों से बचने तथा भविष्य में घटित होने वाली आपदाओं के प्रति जागरूक कर समुदाय का क्षमता संवर्द्धन किया गया ग्रामीणों ने गावं को कटान से बचाने हेतु बांध बनवाने हेतु जिलाधिकारी से मांग की

जांच एजेंसियों की पूछताछ में सीमा हैदर ने लिया खुनवां का नाम, सरहद पर बढ़ गई चौकसी

सिद्धार्थनगर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि सीमा पर जांच की जा रही है। सीमावर्ती थानों की पुलिस के अलावा एसएसबी के जवान भी चेकिंग कर रहे हैं। अभी तक इस संबंध में कोई लिखित आदेश नहीं आया है। फिर भी जांच तेज कर दी गई है। हर संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है।पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के सिद्धार्थनगर के खुनुवां बार्डर के रास्ते नेपाल से भारत पहुंचने के एसटीएफ के इनपुट के बाद सरहद पर चौकसी बढ़ा दी गई है। एसएसबी और सीमावर्ती थाने की पुलिस ने बार्डर पर संयुक्त रूप से चेकिंग शुरू कर दी है। बृहस्पतिवार को दोनों देशों से आने-जाने वालों की मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। पहचान पत्र की जांच के साथ ही लोगों से आने-जाने का कारण भी पूछा जा रहा है।जिले से लगने वाली 68 किलोमीटर भारत-नेपाल सीमा पूरी तरह से खुली हुई है। यहां मुख्य मार्गों के अलावा पगड़ंडी के रास्ते से भी लोग आते-जाते हैं। इस खुली सरहद का लाभ अकसर देश विरोधी तत्व उठाते रहे हैं। जब भी देश के किसी हिस्से में आतंकी हमला या बड़ी घटना होती है तो सीमा पर सख्ती बढ़ा दी जाती है। लेकिन बृहस्पतिवार को सीमा पर एकाएक सघन चेकिंग और मेटल डिटेक्टर मशीन से जांच के बाद ही एक-एक व्यक्ति को प्रवेश दिया जाने लगा। दोनों देशों से आने-जाने वालों का पहचान पत्र देखा जाने लगा। आने-जाने का कारण, लौटकर आने का समय डायरी में नोट किया जाने लगा। यह कार्य एसएसबी और सीमावर्ती पुलिस के जवान कर रहे थे।सख्ती के पीछे की वजह पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के खुनुवां बार्डर से नेपाल से भारत प्रवेश करना है। सूत्रों के मुताबिक यूपीएटीएस की पूछताछ में सीमा हैदर ने स्वीकार किया है कि वह 12 मई को नेपाल के पोखरा से बस पकड़ कर रूपनेदही खुनुवां बार्डर तक आई और भारतीय सीमा में प्रवेश करके लखनऊ और आगरा होते हुए 13 मई को गौतमबुद्धनगर के रबूपुरा पहुंच गई। सीमा हैदर के राज खोलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने बार्डर पर सख्ती बढ़ा दी है।यह बस उसके लिए इसलिए सुरक्षित है कि इसमें खुनुवां बार्डर पर पहुंचने के बाद सामान की चेकिंग नहीं होती है। न ही सवारियों की चेकिंग की जाती है। अगर चेकिंग होती तो सीमा लांघने से पहले सीमा पुलिस के हत्थे चढ़ गई होती।बस के लिए बनने वाली लिस्ट से चल सकता है पता- जानकारी के अनुसार, नेपाल के बुटवल से जो बस चलती है, उसमें सवार होने वाले यात्रियों की लिस्ट तैयार की जाती है। यह लिस्ट सबसे पहले नेपाल के सोठवली भंसार कार्यालय में बनाई जाती है। खुनुवां बार्डर पर पहुंचने के बाद एक लिस्ट सुरक्षा एजेंसी को और एक लिस्ट कस्टम कार्यालय को बस के परिचालक की ओर से दी जाती है, ताकि अगर कोई घटना हो तो लिस्ट के जरिए जानकारी मिल सके। इस लिस्ट के बारे में जब जानने की कोशिश की गई तो कस्टम और सुरक्षा एजेंसी के जिम्मेदारों ने कहा कि इसके बारे में किसी बाहरी व्यक्ति को जानकारी नहीं दी जाती है। मंत्रालय के मांगने पर सूची दी जाती है। महराजगंज नजदीक, तो क्यों चुना 40 किमी दूर खुनुवां बार्डर- सीमा हैदर ने एसटीएफ की पूछताछ में पोखरा से खुनुवां होकर सिद्धार्थनगर की सीमा में प्रवेश करने की बात कही है। जबकि पोखरा से महराजगंज जनपद का सोनौली बार्डर नजदीक है। पोखरा से उसकी दूरी 160 किलोमीटर है। वहीं, पोखरा से खुनुवां बार्डर की दूरी 200 किलोमीटर है। ऐसे में सावल यह है कि आखिरी सीमा हैदर ने खुनुवां बार्डर को ही क्यों चुना? जबकि सोनौली के लिए नेपाल से तमाम साधन हैं। कहीं ऐसा तो नहीं है कि सीमा ने भारत में प्रवेश करने वाले हर रास्ते के बारे में जानकारी लेने के लिए इस मार्ग का इस्तेमाल किया? या फिर कोई उसके संपर्क में था, जो सुरक्षा एजेंसियों से बचने के लिए इस रास्ते से होकर जाने के लिए उसे जानकारी दे रहा था?सुरक्षा एजेंसियों ने डाला डेरा- सूत्रों की मानें तो सीमा हैदर का कनेक्शन खुनुवां बार्डर से जुड़ने के बाद खुफिया विभाग की कई एजेंसियों ने सरहद पर डेरा जमा लिया है। बृहस्पतिवार को वह नेपाल से भारत और भारत से नेपाल में कड़ी से कड़ी जोड़ते रहे। कुछ स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाला गया।सिद्धार्थनगर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि सीमा पर जांच की जा रही है। सीमावर्ती थानों की पुलिस के अलावा एसएसबी के जवान भी चेकिंग कर रहे हैं। अभी तक इस संबंध में कोई लिखित आदेश नहीं आया है। फिर भी जांच तेज कर दी गई है। हर संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है।एसएसबी 43वीं वाहिनी कमांडिंग अधिकारी शक्ति सिंह ने कहा कि एसएसबी की ओर से हमेशा चेकिंग की जाती है। सीमा पार से आने-जाने वाले हर व्यक्ति पर निगाह रहती है। संदिग्धों से पूछताछ भी की जाती है। रही बात पाकिस्तानी महिला के मामले में तो इस संबंध में चेकिंग या जांच के लिए अभी कोई लिखित आदेश नहीं मिला है।

विजीलैंस ने 20 हज़ार रुपए रिश्वत लेते हुये ए. एस. आई. को किया काबू

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - लुधियाना - पंजाब विजीलैंस ब्यूरो की लुधियाना रेंज ने आज थाना टिब्बा में तैनात एएसआई सतनाम सिंह को 20,000 रुपए रिश्वत लेने के दोष अधीन काबू किया है। इसी मामले में प्राईवेट व्यक्ति बलबीर सिंह उर्फ बीरा ढिल्लों को मोहल्ला जगदीशपुरा स्थित उसके घर से गिरफ़्तार किया गया है। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुये विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता दलजीत कौर निवासी राम नगर (लुधियाना) के ख़िलाफ़ दायर एक शिकायत का निपटारा करने के बदले बलबीर ढिल्लों के द्वारा उक्त एएसआई को रिश्वत लेते हुये काबू किया गया है। दोषी एएसआई ने 1 40, 000 रुपए की माँग की थी और वह 60, 000 रुपए पर मान गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह 18. 7. 2023 को पहले ही उक्त एएसआई को 3000 रुपए दे चुकी है। और जानकारी देते हुये प्रवक्ता ने बताया कि इस सम्बन्धी एफ. आई. आर. नं. 17 तारीख़ 21. 7. 2023 को भ्रष्टाचार रोकथाम एक्ट की धारा 7, 7 ए और आई. पी. सी. की धारा 120-बी के अधीन थाना विजीलैंस ब्यूरो, लुधियाना रेंज में केस दर्ज किया गया है।

कीमती मोबाइल फोन सहित तीन शातिर चोर

गिरफ्तार पकड़ा गया सामान चोर कबाड़ी

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद -कादरी गेट थाना पुलिस ने कीमती 14 मोबाइल फोन सहित तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है थाना प्रभारी विनोद कुमार शुक्ला पांचाल घाट चौकी इंचार्ज अमित कुमार शर्मा आदि पुलिसकर्मियों की टीम ने मोबाइल फोन चोरों का सुराग लगाया पुलिस ने प्रयास करके लकूला गिहार बस्ती निवासी कुंदन और पिनिया पुत्र शिवरतन गिहार शिवम उर्फ सलमान पुत्र भूरा एवं गौरव पुत्र रामू गिहार को गिरफ्तार करने में सफलता

हासिल की अपर पुलिस अधीक्षक डॉ संजय सिंह ने मीडिया को बताया पुलिस ने शातिर चोर कुंदन से आधा दर्जन एवं शिवम व गौरव से 4.4 सैमसंग रियलमी वीवो टेक्नोस्पार्क एवं ओप्पो कंपनी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं एसपी ने बताया कि यह शातिर युवक भीड़ भाड़ में मौका मिलते ही जेब से फोन चुराते हैं बरामद फोन मुकदमों से संबंधित है बरामद मोबाइल फोन की बाजारू कीमत करीब 2 लाख रुपए है चोर कबाड़ी गिरफ्तार- कादरी गेट थाना प्रभारी विनोद कुमार शुक्ला एवं आवास विकास चौकी इंचार्ज स्वदेश कुमार ने लकूला निवासी 20 वर्षीय प्रीतम पुत्र अलवर गिहार व एक अपचारी को गिरफ्तार किया है प्रीतम ने कबाड़ी सामान खरीदने के दौरान सिलाई मशीन एसी एवं आउट डॉट हीटिंग क्वाइल को चुराया था

ज्ञानवापी की पूरी कहानी: औरंगजेब के मंदिर तोड़ने से लेकर पहले मुकदमे और अब कोर्ट के फैसले तक

ज्ञानवापी परिसर को लेकर आज वाराणसी की जिला अदालत ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक सर्वे को मंजूरी दे दी है। ये हिंदू पक्ष हक में बड़ा फैसला माना जा रहा है। इस सर्वे को लेकर मुस्लिम पक्ष लगातार विरोध कर रहा था। बता दें कि जिस ज्ञानवापी परिसर का ये मुद्दा है, उसी में मुस्लिम पक्ष का मस्जिद भी है। मस्जिद के ठीक बगल में काशी विश्वनाथ मंदिर है। दावा है कि इस मस्जिद को औरंगजेब ने एक मंदिर तोड़कर बनवाया था। ऐसे में आइए हम आपको शुरू से लेकर अब तक की इस विवाद की पूरी कहानी बताते हैं।

बता दें कि जिस ज्ञानवापी परिसर का ये मुद्दा है, उसी में मुस्लिम पक्ष का मस्जिद भी है। मस्जिद के ठीक बगल में काशी विश्वनाथ मंदिर है। दावा है कि इस मस्जिद को औरंगजेब ने एक मंदिर तोड़कर बनवाया था। ऐसे में आइए हम आपको शुरू से लेकर अब तक की इस विवाद की पूरी कहानी बताते हैं। पहले विवाद जान लीजिए- ज्ञानवापी विवाद को लेकर हिन्दू पक्ष का दावा है कि इसके नीचे 100 फीट ऊंचा आदि विश्वेश्वर का स्वयंभू ज्योतिर्लिंग है। काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण करीब 2050 साल पहले महाराजा विक्रमादित्य ने करवाया था, लेकिन औरंगजेब ने साल 1664 में मंदिर को तुड़वा दिया। दावे में कहा गया है कि मस्जिद का निर्माण मंदिर को तोड़कर उसकी भूमि पर किया गया है जो कि अब ज्ञानवापी मस्जिद के रूप में जाना जाता है। याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर यह पता लगाया जाए कि जमीन के अंदर का भाग मंदिर का अवशेष है या नहीं। साथ ही विवादित ढांचे का फर्श तोड़कर ये भी पता लगाया जाए कि 100 फीट ऊंचा ज्योतिर्लिंग स्वयंभू विश्वेश्वरनाथ भी वहां मौजूद हैं या नहीं। मस्जिद की दीवारों की भी जांच कर पता लगाया जाए कि ये मंदिर की हैं या नहीं।

याचिकाकर्ता का दावा है कि काशी विश्वनाथ मंदिर के अवशेषों से ही ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण हुआ था। इन्हीं दावों पर पर अदालत ने कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करते हुए आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) से सर्वे करवाया था। जिसकी रिपोर्ट से हिंदू पक्ष का दावा काफी मजबूत हो गया था। इस विवाद को लेकर अब तक क्या-क्या हुआ?

- काशी विश्वनाथ ज्ञानवापी केस में 1991 में वाराणसी कोर्ट में पहला मुकदमा दाखिल हुआ था। याचिका में ज्ञानवापी परिसर में पूजा की अनुमति मांगी गई। प्राचीन मूर्ति स्वयंभू भगवान विश्वेश्वर की ओर से सोमनाथ व्यास, रामरंग शर्मा और हरिहर पांडेय बतौर वादी इसमें शामिल हैं। मुकदमा दाखिल होने के कुछ महीने बाद सितंबर 1991 में केंद्र सरकार ने पूजा स्थल कानून बना दिया। ये कानून कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता।

अगर कोई ऐसा करने की कोशिश करता है तो उसे एक से तीन साल तक की जेल और जुर्माना हो सकता है। अयोध्या का मामला उस वक्त कोर्ट में था इसलिए उसे इस कानून से अलग रखा गया था। लेकिन ज्ञानवापी मामले में इसी कानून का हवाला देकर मस्जिद कमेटी ने याचिका को हाईकोर्ट में चुनौती दी। 1993 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्टे लगाकर यथास्थिति कायम रखने का आदेश दिया था। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि किसी भी मामले में स्टे ऑर्डर की वैधता केवल छह महीने के लिए ही होगी। उसके बाद ऑर्डर प्रभावी नहीं रहेगा। इसी आदेश के बाद 2019 में वाराणसी कोर्ट में फिर से इस मामले में सुनवाई शुरू हुई। 2021 में वाराणसी की सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट से ज्ञानवापी मस्जिद के पुरातात्विक सर्वेक्षण की मंजूरी दे दी। आदेश में एक कमीशन नियुक्त किया गया और इस कमीशन को 6 और 7 मई को दोनों पक्षों की मौजूदगी में श्रृंगार गौरी की वीडियोग्राफी के आदेश दिए गए। 10 मई तक अदालत ने इसे लेकर पूरी जानकारी मांगी थी।छह मई को पहले दिन का ही सर्वे हो पाया था, लेकिन सात मई को मुस्लिम पक्ष ने इसका विरोध शुरू कर दिया। मामला कोर्ट पहुंचा। 12 मई को मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कमिश्नर को बदलने की मांग खारिज कर दी और 17 मई तक सर्वे का काम पूरा करवाकर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि जहां,

ताले लगे हैं, वहां ताला तुड़वा दीजिए। अगर कोई बाधा उत्पन्न करने की कोशिश करता है तो उसपर कानूनी कार्रवाई करिए, लेकिन सर्वे का काम हर हालत में पूरा होना चाहिए। 14 मई को सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया। याचिका में ज्ञानवापी मस्जिद में सर्वे पर रोक लगाने की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत ने यथास्थिति बनाए रखने से इनकार करते हुए कहा था कि हम बिना कागजात देखे आदेश जारी नहीं कर सकते हैं। अब मामले में 17 मई को सुनवाई होगी। 14 मई से ही ज्ञानवापी के सर्वे का काम दोबारा शुरू हुआ। सभी बंद कमरों से लेकर कुएं तक की जांच हुई। इस पूरे प्रक्रिया की वीडियो और फोटोग्राफी भी हुई। 16 मई को सर्वे का काम पूरा हुआ। हिंदू पक्ष ने दावा किया कि कुएं से बाबा मिल गए हैं। इसके अलावा हिंदू स्थल होने के कई साक्ष्य मिले। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने कहा कि सर्वे के दौरान कुछ नहीं मिला। हिंदू पक्ष ने इसके वैज्ञानिक सर्वे की मांग की। मुस्लिम पक्ष ने इसका विरोध किया। 21 जुलाई 2023 को जिला अदालत ने हिंदू पक्ष की मांग को मंजूरी देते हुए ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक सर्वे का आदेश दे दिया। अभी क्या स्थिति है? मौजूदा समय ज्ञानवापी मस्जिद में प्रशासन ने केवल कुछ ही लोगों को नमाज पढ़ने की अनुमति दे रखी है। ये वो लोग हैं जो हमेशा से यहां नमाज पढ़ते आए हैं। इन लोगों के अलावा यहां किसी को भी नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं है। वहीं, मस्जिद से सटे काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हो चुका है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ पहले के मुकाबले अब कहीं ज्यादा आने लगी है।

रक्तदान सबसे बड़ा दान- रजनीश धीमान

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - भाजपा जिलाध्यक्ष रजनीश धीमान के दिशा निर्देश के अनुसार थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों व खून की कमी से पीड़ित लोगों की सहायतार्थ हेतु एक रक्तदान कैंप का आयोजन हैबोवाल में मंडल अध्यक्ष गौरव अरोड़ा की अध्यक्षता में लगाया गया जिसमें सिविल अस्पताल के माहिर डॉक्टर्स द्वारा रक्त एकत्रित किया गया।रक्तदान कैंप में विशेष रुप से भाजपा जिलाध्यक्ष रजनीश धीमान, पंजाब भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष राशि अग्रवाल, भाजपा नेता प्रवीण बांसल ने भाग लेकर रक्तदानियो को प्रोत्साहित किया।इस मौके रजनीश धीमान ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है क्योंकि रक्त से किसी की जान बचाई जा सकती है।गौरव अरोड़ा ने कहा कि ये रक्त थैलेसीमिया पीड़ित बच्चो व सिविल अस्पताल में रक्त पीड़ित लोगों की सहायता के लिए इकट्ठा किया जा रहा है ताकि किसी को कोई मुश्किल का सामना ना करना पड़े।उन्होंने हैबोवाल मंडल की पूरी टीम का धन्यवाद किया जिनके सहयोग से ये कार्य संभव हुआ।कैंप में 52 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

खेत के चारों तरफ लगे तार में आए करंट की चपेट में आकर युबक की मौत

आकर युबक की मौत हो गई। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया है। थाना निधौली कलां के गांव श्यामपुर निवासी देवेंद्र बघेल (25) पुत्र राजपाल सिंह गुरुवार सुबह खेत पर पानी लगाने गए थे। सुबह करीब आठ बजे ट्यूबवेल चालू करने गए थे। आरोप है कि ट्यूबवेल मालिक ने अपने खेत के चारों तरफ तार लगाकर उसमें करंट छोड़ रखा है। देवेंद्र खेत पर पहुंचा तो तार की चपेट में आ गया और करंट लगने से उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंचे घरवालों में कोहराम मच गया। एसएचओ मनोज कुमार का कहना है कि वीरपाल ने जानवरों को रोकने के लिए खेत के चारों तरफ तार लगा रखे हैं। वीरपाल का ही ट्यूबवेल है। ट्यूबवेल चालू करने के लिए देवेंद्र गया था। उसी दौरान तार के करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई।

आशिक मिजाज कोटेदार: चेहरे पर कालिख पोती...जूते-चप्पल से पीटा, रिश्तेदार समेत पांच पर रिपोर्ट

अयाना थाना क्षेत्र में आशिक मिजाज कोटेदार के चेहरे पर कालिख पोतकर चप्पलों से पीटने और अर्धनग्न अवस्था में गांव मे घुमाने का मामला सामने आया है। मामले का वीडियो वायरल होने पर गांव छावनी बना हुआ है।औरैया जिले में अयाना थाना क्षेत्र में कोटा डीलर के साथ पांच रिश्तेदारों ने मारपीट कर मुंह में कालिख पोत दी। इसके बाद जूतों की माला पहनाकर गांव में घुमाया। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस विभाग में खलबली मच गई।मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की, तो पता चला कि कोटेदार पर एक शादीशुदा युवती को गायब कराने का आरोप है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वायरल वीडियो में अर्धनग्न अवस्था में कोटेदार को चप्पलों से पीटा जा रहा है। इसमें एक महिला उसको खरीखोटी भी सुना रही है। कोटा डीलर रामसिंह को गांव में घुमाने का वीडियो वायरल हो गया। इसकी जानकारी होते ही सीओ अजीतमल भरत पासवान और थाना प्रभारी विजय कुमार पांडेय भारी पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। पूछताछ में पीड़ित ने बताया कि बीती 15 जुलाई को वह मशीन दुरुस्त करवाने के लिए औरैया गया था। कपड़े उतरवाकर चप्पल-जूतों से पीटा- इस दौरान उसके रिश्तेदारों ने फोन कर आनेपुर स्थित सांई मंदिर पर बुलाया। इस पर उसने घर आकर मिलने की बात कही। जब वह घर पहुंचा, तो आरोपी वहां पहले से ही मौजूद थे। आरोपियों ने उसके कपड़े उतरवाकर चप्पल-जूतों से मारपीट कर गाली-गलौज की।बेटी की शादी में दिए थे दो लाख रुपये- इसके बाद उसके चेहरे पर कालिख पोतकर जूतों की माला पहनाई और पूरे गांव में घुमाया। पीड़ित ने बताया कि उसकी शादी नहीं हुई है। इसके चलते दो माह पहले उसने रिश्तेदार की बेटी की शादी में दो लाख रुपये दिए थे। शादी के बाद आरोपी की बेटी अपनी ससुराल से कहीं चली गई। रिश्तेदार समेत पांच पर रिपोर्ट- इस पर रिश्तेदारों ने उस पर बेटी को अपने घर ले आने का आरोप लगा कर अभद्रता की, जबकि आरोपी की बेटी उसके घर पर नहीं आई है। थाना प्रभारी विजय कुमार पांडेय ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों को जल्द पकड़ा जाएगा।

बहू की मौत की खबर सुनते ही सास को लगा सदमा, एक घर से निकली दो अर्थी

वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर कोठरा गांव के पास गुरुवार देर रात सड़क हादसे में एक 35 वर्षीय विवाहिता की जान चली गई। खबर घर पहुंचते ही विवाहिता की सास को सदमा लगा। अस्पताल पहुंचने से पहले उसकी भी जान चली गई। सास-बहू के झगड़ों के बारे में तो आप लोग ने खूब सुना होगा लेकिन यूपी के भदोही में एक अलग ही मामला सामना आया है। यहां बहू की मौत की सूचना मिलते ही एक सास सदमें में चली गई और उसकी जान भी चली गई।

वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर कोठरा गांव के पास गुरुवार देर रात सड़क हादसे में एक 35 वर्षीय विवाहिता की जान चली गई। वहीं उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना मिलते ही घर पर मौजूद सास की सदमा लगने से जान चली गई। विवाहिता अपने पति के साथ देर रात वाराणसी के निजी अस्पताल में भर्ती अपने देवर को देखकर लौट रही थी। परिवार के ऊपर टूटे दुखों के पहाड़ से अन्य सदस्यों के आंसू थम नहीं रहे थे। शुक्रवार को दोनों की एक साथ अर्थी उठी तो पूरा गांव रो उठा। हाईवे पर ट्रक ने मारी थी कार में टक्कर- गोपीगंज कोतवाली के धनापुर दक्षिणी गांव निवासी बेचन मिश्रा के सबसे छोटे पुत्र पंकज मिश्रा गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। बीते कई दिनों से वाराणसी के निजी चिकित्सालय में उनका उपचार चल रहा है। उनके दूसरे नंबर के बेटे विजय कुमार मिश्रा (40) अपनी पत्नी पूजा मिश्रा (35) व तीन साल की बेटी सिया के साथ अपनी कार से गुरुवार को वाराणसी उनका हालचाल लेने पहुंचे थे। जहां से देर रात वह घर वापस लौट रहे थे। अभी वे औराई कोतवाली क्षेत्र के कोठरा गांव पहुंचे थे कि इस बीच ट्रक चालक से उनके वाहन में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पूजा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उनके पति विजय कुमार मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में तीन साल की सिया बाल-बाल बच गई। घटना की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस घायल विजय को औराई सीएचसी भेजा। जहां से उन्हें बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने पूजा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर घर पर हादसे की सूचना मिलते ही कोहराम मच गया। उनकी सास चन्द्रावती देवी (60) जो बीते कई सालों से हार्ट की समस्या से जूझ रही थी। उन्हें यह सदमा बर्दाश्त नहीं हुआ और उनकी भी मौत हो गई। एक ही दिन में घर में दो-दो मौत होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

पीड़िता को घर छोड़ने की बात कहीं ,कुछ दूर गाड़ी पहुंचते ही आरोपियों ने छेड़खानी की

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-अलीगंज- घर छोड़ने की कहकर कार में महिला को बैठा लिया। उनके साथ छेड़खानी की। घटना के बाद सहमी पीड़िता शिकायत करने नहीं पहुंची। समझाने के बाद पीड़िता ने कोतवाली अलीगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिला कासगंज थाना पटियाली एक गांव निवासी पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 25 जून को रात करीब 11 बजे फर्रूखाबाद से रोडवेज बस से अलीगंज पहुंची। पीड़िता कैल्ठा चौराहे पर दरियावगंज की ओर जाने वाली गाड़ी का इंतजार कर ही थी। आरोप है कि कुछ देर बाद कौशल यादव, निवासी नगला गंगा, रामवरन, विजेन्द्र यादव निवासी रायपुर मोथर थाना पटियाली जनपद कासगंज जिनको वह जानती थी वह कार से जा रहे थे। कार रोक ली और पीड़िता को घर छोड़ने की बात कहीं। पीड़िता कार में बैठ गई। कुछ दूर गाड़ी पहुंचते ही आरोपियों ने छेड़खानी की। जातिसूचक गालियां भी दी। चीख की आवाज सुनकर बाइक सवार दो युवक रूक गए। जिन्हें देख कारसवारों ने बाहर निकाल दिया। घटना के बाद काफी ड़र गई थी और रिश्तेदारी में चली गई थी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Case of exemption in trial of Bajrang-Vinesh; Delhi High Court reserves order, order will come tomorrow

Vinesh Phogat (53kg) and Bajrang Punia (65kg) were on Tuesday given direct entry to the Asian Games by the Indian Olympic Association's ad-hoc committee, while other wrestlers will have to confirm their places in the Indian team through selection trials on July 22 and 23. A petition was filed by some wrestlers against the exemption granted to Bajrang Punia and

Vinesh Phogat in the trials for the Asian Games. While hearing on this, the Delhi High Court has reserved its verdict. The Delhi High Court on Friday said it will pass orders on July 22 on the challenge to the exemption granted to top wrestlers Vinesh Phogat and Bajrang Punia from the Asian Games trials. Justice Subramaniam Prasad reserved the order on the pleas of U-20 world champion Anvi Panghal and U-23 Asian champion Sujit Kalkal against the direct entry of Phogat and Punia. The judge said during the proceedings, "The endeavor of the court is not to find out who is better. The endeavor is to see whether procedure has been followed or not." Vinesh Phogat (53kg) and Bajrang Punia (65kg) were on Tuesday given direct entry to the Asian Games by the Indian Olympic Association's ad hoc committee, while other wrestlers will have to go through selection trials on July 22 and 23 to confirm their places in the Indian team. Panghal and Kalkal challenged the exemption and demanded a fair selection process for the Asian Games. Advocates Hrishikesh Baruah and Akshay Kumar filed the petition. The petition sought that the directions issued by the IOA ad-hoc committee in respect of the two categories (men's freestyle 65kg and women's 53kg) be set aside and the exemption granted to Phogat and Punia be cancelled. Baruah criticized the decision on several grounds, including the fact that the Wrestling Federation of India (WFI) general body had in August 2022 withdrawn the provision to exempt players. However, the counsel for the ad hoc panel handling the wrestling association's affairs said such a decision was "not on the files" and the court asked them to file an affidavit in support of their stand. On Thursday, the court had asked the ad hoc panel handling the affairs of the wrestling association to explain the reasons for exempting Phogat and Punia from the Asian Games trials. What is the matter? - On January 18 this year, 30 Indian wrestlers sat on a dharna against Brij Bhushan Singh, the president of the wrestling association. Wrestlers like Bajrang Punia, Vinesh Phogat and Sakshi Malik were leading these wrestlers. The wrestlers made serious allegations against the president of the wrestling association and ended the strike after assurance, but for not getting justice, the wrestlers sat on strike for the second time in April. Due to the strike, the practice of the wrestlers was affected and they had to withdraw their names from some competitions. In such a situation, when the date of wrestling trials for the Asian Games was fixed in July, the wrestlers sitting on the dharna wrote a letter to move it forward (to be held after about 10 days). The ad-hoc committee of the AIO, which is running the wrestling association, gave special exemption to Bajrang Punia and Vinesh Phogat after receiving the letter. Both the wrestlers were given direct place in the Asian Games team. At the same time, trials will be conducted for the rest of the wrestlers. Many wrestlers did not like this decision of the ad hoc committee. Wrestlers like Aakhali Panghal, Vishal Kaliraman protested against this and later Aakhali Panghal filed a petition in the Delhi High Court demanding a fair trial. After the hearing in this case, everyone is waiting for the decision of the court.

Manika Batra leads Bengaluru Smashers to first win, beat Chennai Lions 8-7

India's highest-ranked women's table tennis player Manika Batra dominated the proceedings once again as she defeated Sutirtha Mukherjee to hand her team Bengaluru Smashers their first win of the season.India's highest-ranked women's table tennis player Manika Batra Batra dominated the proceedings once again as she beat Sutirtha Mukherjee to give her team

Bengaluru Smashers their first win of the season. He did his best in this match as Chennai Lions won 2-1 against Paddler. The world number 35 started the first game with a bang and stunned Sutirtha with a powerful forehand. Later, Manika also used her accurate backhand to win the game by a margin of 11-6. Sutirtha came back strongly in the second game. She took the lead early in the match and put Manika under pressure with her quick net play and accurate shots from both sides of the table. Sutirtha took the lead against her compatriot and then won the game through a golden point. Manika, however, came back strongly in the third game, taking full advantage of her experience and reach. The Asian Games bronze medalist did not allow Sutirtha to settle down and soon took the game 11-8 to win the match. Earlier, veteran Achanta Sharath Kamal had to face defeat in his match. Kirill Gerasimenko took an early lead in the first game. The Indian paddler then came back in the game using his experience and accurate backhand shots to bring the scores to 10-10. However, Kirill sealed the game with a golden point. In the second game too, the Kazakh paddler took an early lead but two-time Asian Games medalist Achanta Sharath Kamal made a stunning comeback. Won the match 11-7 on the basis of top class top spin and side spin. The third game was also very exciting. Kirill won it via golden point. In the third match of the tie, Manika and Kirill beat Sharath and Yangji Liu 2-1 to extend Bengaluru's lead to 6-3. Manika and Kirill initially found it difficult to play in sync. The Chennai Lions pair took advantage of this to win the first game 11-6, but the Bengaluru Smashers pair came back strongly and won the second game 11-9 to level the match. After this, Kirill and Manika used a quick pace to win the game 11-7 and extend their franchise's lead to 6-3. India's rising star Jeet Chandra went down 1-2 to World No. 33 Benedict Duda, but Jeet was on top of his game during the match. The Indian paddler started the first game very confidently and stunned Duda with his energy and pinpoint shots to take the first game 11-9. However, the experienced German paddler responded positively after that and won the last two games 11-9, 11-7 to extend Bengaluru's lead to 7-5. Yangzi beat Natalia Bajor 2-1 in the last match of the tie, but it was too late as Bengaluru Smashers picked up their first win of Season 4. Puneri Paltan will take on Dabang Delhi in the upcoming match on Friday.

New Zealand team won the first match in the Women's World Cup, defeating Norway in a big upset

Wilkinson's goal helped New Zealand beat former champions Norway 1–0. With this victory, New Zealand avenged the defeat of Norway in the Women's World Cup 32 years ago. Co-hosts New Zealand's team tasted victory for the first time in the Women's Football World Cup in a major upset on Thursday. Hannah Wilkinson's goal helped New Zealand beat Norway 1–0 in their opening match of the tournament.

In this Group-A match, both the teams could not score any goal in the first half. Norway, the 1995 winner team, had chances to score in the first half, but New Zealand did not allow them to convert into goals. Then in the second half, the New Zealand team was able to break through the Norwegian defence. In the second half, in the 48th minute, Hannah Wilkinson scored from inside the box to put New Zealand ahead 1–0 in the match. However, after this both the teams could not score any goal. Over 42,000 fans attended the match – a record 42,137 spectators were present at Eden Park Stadium, a record number for a football match in New Zealand. Meanwhile, New Zealand Prime Minister Chris Hipkins was also present at the stadium to watch the match. The New Zealand women's team had participated in five previous World Cups, but could not win any match. The two teams faced each other in the World Cup 32 years ago, when Norway beat New Zealand 4–0 in 1991. Before the match, the opening ceremony of the Women's World Cup took place with a colorful program. During this, the view of excellent fireworks was also seen. Australia beat Ireland 1-0 Co-hosts Australia began their Women's World Cup campaign with a 1-0 win over Ireland here. Steph Catley scored a penalty in the 52nd minute to give his team the victory. The stadium was packed with 75,784 spectators, while Australia were dealt a blow by the absence of top-scorer Kerr, who will miss two matches due to injury.

Indian football team included in top 99 in rankings for the first time since 2018, benefited from winning SAFF Cup

Lebanon also gained two places to be placed 100th, just below India, while Kuwait jumped four places to be ranked 137th in the latest FIFA rankings released on Thursday. The Indian men's football team on Thursday entered the top 99 in the FIFA rankings for the first time since 2018. The team gained one place to reach 99th position thanks to the SAFF Championship title. In the FIFA rankings for the first time since 2018, India beat Lebanon and Kuwait on penalties in the semi-finals and final respectively at the SAFF Championship in Bangalore earlier this month. Lebanon also gained two places to be placed 100th, just below India, while Kuwait jumped four places to be ranked 137th in the latest FIFA rankings released on Thursday. West Asian countries Lebanon and Kuwait were invited to the SAFF Championship to keep the level of competition strong in the tournament. India now has 1208.69 points. Rat's best FIFA ranking is 94 which the team achieved in 1996. Argentina continue to reign at the top followed by France, Brazil,.

'It was easy for me to play mother', said Genelia on the role of single mother in the trial period

Bollywood actress Genelia D'Souza is counted among the well-known actresses of Bollywood. The actress will be seen in the role of a single mother 'Ana' in the film 'Trial Period' which released on July 21. Manav Kaul was also seen in the lead role with him in this film. In a conversation with a media organization, he was asked about this film and his character. During the interview he was asked what did you think when this film was offered to you? In response to which he said that I was very happy after getting the offer of the film. I loved the script of the film. Genelia is appearing in the role of a Bengali girl in this film. At the same time, when she was asked about her look, the actress said, 'I find Bengali women very attractive. I was very happy to play this role. My director Aleya Sen told me about how she is, her characteristics, the little things she does at home. I was very curious as I like to know my characters on a regional basis." While talking about her co-star Manav Kaul, the actress said, "I had a great [illegible] with Manav on the set. We come from two different worlds, but we have a great connection. He is an excellent actor. Talking about playing a single mother in the film, she said, "I definitely think playing a mother in the film was easy for me. I think only a mother can understand the routine and small things in life. I don't think that's what I'm going through in my real life." She added, "I don't think I'm being selective. My best role is as a mother. I am a mother of two little boys and if I am making time for them, it would be worthwhile. I also feel that when someone approaches me for a project, they have to feel the same way about me. I will give more than 100 percent just because someone can see me in a certain role." While talking about trend setter, she said, "I don't know whether I am a trend setter or not, but I enjoy it. Am. It was introduced to me by Ritesh Deshmukh, so all the credit goes to him. I have got my place now. Sometimes I make reels in my home clothes without makeup. I think that kind of honesty helps you connect with people. I am glad that this platform connects me to so many people whom I would never have met.

'Kalki 2898 AD' is the official name of the project, all the characters look strong in the teaser

The official title of Prabhas' most awaited film 'Project K' is 'Kalki 2898 AD'. The teaser of the film has also been released, revealing its name at the San Diego Comic Con. The title of South Superstar Prabhas' upcoming film 'Project K' has been revealed. Its official title was announced amid much fanfare at the ongoing San Diego Comic-Con (SDCC) in the US. The official name of this film is 'Kalki 2898 AD'. Along with releasing the teaser, the much awaited

glimpse of 'Project K' was also shown. The teaser has also been released in India on Friday morning. The film's title and teaser were unveiled at Comic Con in the presence of Prabhas, Kamal Haasan and director Nag Ashwin. Kalki 2898 AD teaser released - Its teaser was released at San Diego Comic-Con with the title 'This is Project K: First Glimpses of India's Mytho-Sci-Fi Epic'. It is a multilingual sci-fi film directed by Nag Ashwin and produced by Vyjayanthi Movies. The teaser states, 'When darkness envelops the world, a hero emerges.' The glimpse of 'Kalki 2898 AD' shows a war-torn world in the future, where people are ruled by dark forces and technology, and are treated violently and cruelly by the oppressor. Light will triumph over darkness - The teaser video also features a line that reads, 'When darkness engulfs the world, a force will arise. The end begins now.' In the glimpse, Deepika's character as a recruit in the army seems to be caught in an emotional turmoil. While Prabhas' character appears as a brave warrior who rises to the occasion to save his world.Kalki 2898 AD Release Date- In the teaser, Amitabh Bachchan's character is seen as a fierce, warrior wrapped in bandages. At one point, a character is seen asking, 'What is Project K?' Then its name is announced as 'Kalki 2898 AD'. The film will release on January 12, 2024 in India and worldwide in Telugu, Hindi, Tamil, Malayalam, Kannada and English languages. After watching the teaser, the enthusiasm of the fans has become very high. At the same time, makers and critics including fans have high expectations from 'Kalki 2898 AD', one of the biggest releases of the year 2024.

Ram Charan wished in a special way on wife Upasana's birthday, glimpse of daughter Klin Kara

Upasana, wife of RRR fame Ram Charan, has recently become a mother. Fans are congratulating him. Ram Charan and Upasana are enjoying these moments a lot. Both are celebrating the happiness of the arrival of the daughter. On the other hand, on 20 July i.e. today, Upasana is celebrating her 34th birthday. With this his The daughter has also turned one month old. In such a situation, this moment has brought double happiness for him. At the same time, on this occasion, Ram Charan has wished his wife in a different way. Ram Charan has shared a video on Upasana's birthday. In this video, the journey of his and Upasana's life so far has been shown. The beginning of this video shows the joy of their daughter's arrival. The family members react to the picture saying how cute she is looking. The video then shows Upasana and says, 'Eight months were very easy.' Later Ram says, 'After that the real game began.' After this Chiranjeevi says, 'We are all eagerly waiting to adopt the little star.' Upasana's parents also appear in the video and say that it has been cheering up for the last 11 years. Ram says there was a lot of tension in it too. 11 years have passed. What are they doing?" He further added, "I guess everything has its place in time. And then this kid got his time and it happened." The video is adorable, featuring his daughter A glimpse is also visible. He is loving Kara a lot. This video won the hearts of the fans. People are reacting fiercely to it. While sharing the video, Ram wrote in the caption, "Happy Birthday Sabse Pyari". Oopsy and happy one month birthday dear Cara.You are our best gift.Upasana, wife of RRR fame Ram Charan, has recently become a mother. Fans are congratulating him. Ram Charan and Upasana are enjoying these moments a lot. Both are celebrating the happiness of the arrival of the daughter. On the other hand, on 20 July i.e. today, Upasana is celebrating her 34th birthday. With this his The daughter has also turned one month old. In such a situation, this moment has brought double happiness for him. At the same time, on this occasion, Ram Charan has wished his wife in a different way. Ram Charan has shared a video on Upasana's birthday. In this video, the journey of his and Upasana's life so far has been shown. The beginning of this video shows the joy of their daughter's arrival. The family members react to the picture saying how cute she is looking. The video then shows Upasana and says, 'Eight months were very easy.' Later Ram says, 'After that the real game began.' After this Chiranjeevi says, 'We are all eagerly waiting to adopt the little star.' Upasana's parents also appear in the video and say that it has been cheering up for the last 11 years. Ram says there was a lot of tension in it too. 11 years have passed. What are they doing?" He further added, "I guess everything has its place in time. And then this kid got his time and it happened." The video is adorable, featuring his daughter A glimpse is also visible. He is loving Kara a lot. This video won the hearts of the fans. People are reacting fiercely to it. While sharing the video, Ram wrote in the caption, "Happy Birthday Sabse Pyari". Oopsy and happy one month birthday dear Cara.You are our best gift.